राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 262 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, गुरुवार 24 जुलाई 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

अमृतसर हवाई अड्डे पर बम की धमकी, सुरक्षा कड़ी

अमृतसर। पंजाब में अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बम की धमकी भरे फोन मिलने के बाद सुरक्षा कड़ी करने के साथ ही बम निरोधक दस्ते को अलर्ट किया गया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार फोन करने वाले ने सीधे हवाई अड्डा अधिकारियों से संपर्क किया और हवाई अड्डे को उड़ा देने की चेतावनी दी। इसके तत्काल बाद सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की तथा सुरक्षा कड़ी करने के साथ ही बम निरोधक दस्ते को अलर्ट किया गया। हवाई अड्डे पर तैनात पंजाब पुलिस और सीआईएसएफ के जवानों ने परिसर की सुरक्षा के लिए तुरंत कदम उठाए। पूरे हवाई अड्डा परिसर में सामान की जांच, गश्त और निगरानी बढ़ा दी गयी तथा ऐहतियात के तौर पर अतिरिक्त सुरक्षा स्तर भी बढ़ा दिए गए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने औपचारिक मामला दर्ज कर लिया गया है और फोन करने वाले के मोबाइल नंबर की पहचान ।

पंजाब के 115 सरकारी स्कूलों का नाम मशहूर शख्सियतों के नाम पर रखा : बैंस

चंडीगढ़। पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि सरकार ने 115 सरकारी स्कूलों का नाम स्वतंत्रता संग्रामियों, शहीदों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यश अर्जित करने वाली शख्सियतों के नाम पर रखा है। गौरतलब है कि स्कूल शिक्षा विभाग ने 18 जुलाई, 2025 को 25 सरकारी स्कूलों का नाम विभिन्न स्वतंत्रता संग्रामियों और शहीदों के नाम पर रखा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कल ऐलान किया था कि जालंधर जिले के ब्यास गांव के स्कूल का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि हासिल करने वाले प्रसिद्ध मैराथन धावक सरदार फौजा सिंह के नाम पर रखा जायेगा। पंजाब भवन में प्रेस कान्फ्रेंस को संबोधित करते हुये मंत्री बैंस ने कहा कि सरकार ने इन प्रसिद्ध शख्सियतों की तस्वीरें और उनका संक्षिप्त जीवन ब्यौरा उनके नाम वाले स्कूलों में प्रदर्शित करने का फ़ैसला किया है, जिससे विद्यार्थियों को उनके बलिदानों और योगदान से अवगत करवाया जा सके और वह महान शख्सियतों से प्रेरणा ले सकें।

पीएम मोदी की मौजूदगी में राजनाथ देंगे जवाब

28 जुलाई को ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा तय,16 घंटे होगी बहस

नई दिल्ली/ एजेंसी

राज्यसभा की व्यापार सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में बुधवार को विपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग की। विपक्ष ने कहा कि इस मुद्दे पर राज्यसभा में अगले हफ्ते से दो दिन तक 16 घंटे की चर्चा होनी चाहिए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी सुनिश्चित की जाए। यह बैठक मानसून सत्र के दौरान हुई, जिसमें विभिन्न दलों के नेता, राज्यसभा में सदन के नेता जे. पी. नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने की। यह बैठक पहले सोमवार को प्रस्तावित थी, लेकिन उसी दिन शाम को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। बैठक के बाद कांग्रेस के राज्यसभा में उपनेता प्रमोद तिवारी ने बताया कि विपक्ष ने एक सुर में मांग की कि पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा अगले हफ्ते से शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि लोकसभा में इस पर चर्चा शुरू होने के एक दिन बाद राज्यसभा में चर्चा होनी चाहिए। वहीं, अब जानकारी सामने आई है कि ऑपरेशन सिंदूर पर 28 जुलाई से लोकसभा में चर्चा शुरू होगी। सदन में इस पर 16 घंटे तक चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान मौजूद रहेंगे। जबकि, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस पर जवाब देंगे। प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह एक सामान्य बहस होनी चाहिए, कोई

प्रस्ताव नहीं लाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि विपक्ष ने प्रधानमंत्री की मौजूदगी की मांग की और सरकार ने आश्वासन दिया है कि प्रधानमंत्री मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मौजूद रहेंगे। गौरतलब है कि संसद के दोनों सदनों में पहलगाम हमले, बिहार में मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा (एसआईआर) और अन्य मुद्दों को लेकर लगातार हंगामा हो रहा है, जिसकी वजह से कार्यवाही बार-बार स्थगित की जा रही है। बिहार में चुनाव आयोग के मतदाता सूची पुनरीक्षण, ऑपरेशन सिंदूर और ऐसे कई मुद्दों पर विपक्षी सांसदों का हंगामा दोपहर दो बजे के बाद भी जारी रहा। पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने सांसदों से शांति बनाए रखते हुए सदन में व्यवस्था बनाने और कार्यवाही चलाने में मदद करने की अपील की। उन्होंने हंगामा नहीं थमता देख महज 3-4 मिनट की कार्यवाही के बाद सदन की कार्यवाही गुरुवार, 24 जुलाई की सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी। दोपहर दो बजे पीठासीन सभापति भुबनेश्वर कालिता ने राज्यसभा में भी सदन की कार्यवाही शुरू कराई। हालांकि, विपक्षी खेमे के सांसदों की नारेबाजी नहीं थमने के कारण कार्यवाही बाधित हुई। केवल चार मिनट की कार्यवाही के बाद पीठासीन सभापति ने कार्यवाही बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

विपक्षी दलों के शोरगुल और हंगामे के बावजूद पीठासीन सभापति संध्या राय ने लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे दोबारा शुरू कराई। विपक्षी दलों की तरफ से हो रही नारेबाजी और शोरगुल के बीच सांसदों-मंत्रियों ने सदन के पटल पर अहम प्रपत्र और रिपोर्ट पेश किए। हंगामा नहीं थमता देख सभापति संध्या राय को सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी। हंगामे के बीच राज्यसभा की कार्यवाही भी 12 बजे शुरू हुई। पीठासीन सभापति घनश्याम तिवारी ने सदस्यों ने शांति बनाए रखने की अपील की और सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग करने की बात कही। हालांकि, सदस्यों का हंगामा जारी रहा और सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई।

लोकसभा में विपक्ष के हंगामे पर बिफरे स्पीकर

विपक्षी सांसदों से कहा...सड़कों का आचरण संसद में कर रहे हैं

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा में बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष ने बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर जमकर हंगामा किया। बुधवार को जब विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया तो लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भड़क गए। उन्होंने विपक्षी सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि आप सड़क का व्यवहार संसद में कर रहे हैं। ये देश देख रहा है। उन्होंने कहा कि सदन में तख्तियां लेकर आने वालों पर मुझे निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी। बता दें कि लगातार तीन दिन से हो रहे विपक्ष के हंगामे के चलते लोकसभा को स्थगित

करना पड़ रहा है। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हुआ है। लोकसभा में बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान बिहार में रेल परियोजनाएं विषय पर चर्चा चल रही थी। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर हंगामा किया। सांसदों के हंगामे को लेकर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भड़क गए। उन्होंने कहा कि संसद हमारे गौरवशाली लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था है। सांसदों से मेरी अपेक्षा रहती है कि संसद के अंदर आपका आचरण, व्यवहार, कार्यपद्धति मर्यादित रहना चाहिए। देश की जनता ने आपको यहां पर उनकी आवाज, उनकी चुनौतियों, उनकी अपेक्षाएं और देश के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए भेजा है। लोकसभा स्पीकर बोले कि आपका जो व्यवहार है वो सड़कों का है। यह आचरण और व्यवहार आप संसद में कर रहे हैं। ये देश देख रहा है। मैं सभी राजनीतिक दलों से कहता हूं कि देश उनके सदस्यों के आचरण को देख रहा है।

पीएम किसान योजना फौरन कर लें ये जरूरी काम, वरना रुक सकती है 2000 रुपए की रकम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के करोड़ों लाभार्थी किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है। योजना की 20वीं किस्त का इंतजार कर रहे किसानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका मोबाइल नंबर योजना के पोर्टल पर सही और अपडेटेड है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि जिन लाभार्थियों का मोबाइल नंबर गलत या बंद पाया गया, उन्हें अगली 2000 रुपये की किस्त नहीं भेजी जाएगी। दरअसल, केंद्र सरकार हर किस्त जारी करने से पहले लाभार्थी की पहचान सुनिश्चित करने के लिए ओटीपी आधारित वेरिफिकेशन करती है। यह ओटीपी किसान के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ही भेजा जाता है।

कर्नाटक में जीएसटी नोटिस पर सीएम ने किया साफ

छोटे व्यापारियों को परेशान करना नहीं है उद्देश्य-सीएम सिद्धारमैया...

नई दिल्ली/ एजेंसी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को छोटे व्यापारियों को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार जीएसटी नोटिसों से जुड़ी उनकी चिंताओं को दूर करने में उनका समर्थन करेगी। बेकरी और मसाला दुकानों के अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शन के कारण राज्य भर में चाय और दूध की बिक्री बाधित हुई थी। अपने आवास पर ट्रेड यूनियनों और फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफकेसीसीआई) के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक में सिद्धारमैया ने जीएसटी का

भुगतान न करने पर छोटे विक्रेताओं को जारी किए गए कर नोटिसों से जुड़ी शिकायतों का समाधान किया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि नोटिस केवल उन लोगों को भेजे गए थे, जिनका यूपीआई लेनदेन 40 लाख रुपये से अधिक था, जिसका मुख्य उद्देश्य जीएसटी पंजीकरण को बढ़ावा देना था, तथा केवल दूध, सब्जियां, मांस और फ्लों जैसी छूट प्राप्त वस्तुओं का व्यापार करने वाले व्यापारियों पर कर नहीं लगाया जाएगा। यह बैठक दिन में पहले हुए एक प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन के बाद हुई, जिसमें बेकरी और मसालों की दुकानों ने चाय, कॉफ़ी और दूध देना बंद कर दिया था। विक्रेताओं ने काले बैज पहने और असहमति जताने के लिए केवल काली चाय या कॉफ़ी परोसी। उन्होंने वाणिज्यिक कर विभाग पर डिजिटल भुगतान रिकॉर्ड के आधार पर उन्हें गलत तरीके से निशाना बनाने का आरोप लगाया।

30 बुलडोजर लेकर पहुंचे अधिकारी

सीजेआइ ने कहा-विकास जरूरी,पर क्या रातोंरात...

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना के कांचा गाचीबोवली में वन भूमि को साफ करने के लिए बुलडोजर के इस्तेमाल पर तीखी असहमति जताते हुए कहा कि रातोंरात किए गए ऐसे कार्यों को सतत विकास के रूप में उचित नहीं ठहराया जा सकता। स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही पीठ का नेतृत्व कर रहे भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने कार्यवाही के दौरान टिप्पणी की कि वे सतत विकास के पक्ष में तो हैं, लेकिन इस मामले में वनों की कटाई की प्रकृति और गति अस्वीकार्य है। मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान कहा कि मैं स्वयं सतत विकास का

समर्थक हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप रातोंरात 30 बुलडोजर लगा दें और सारा जंगल साफकर दें। यह मामला तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना के विकास के लिए कांचा गाचीबोवली वन क्षेत्र में लगभग 400 एकड़ हरित क्षेत्र की कटाई से संबंधित है।

मेरे मूवी टिकट 10 तो दूसरों के 100 रुपए में बिके :कल्याण

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण ने पूर्व वाईएसआरसीपी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी फिल्म के टिकट की कीमत 10 रुपए रखी गई थी, जबकि अन्य अभिनेताओं की फिल्मों के टिकट 100 रुपए में बिके। पवन कल्याण सोमवार रात हैदराबाद में अपनी अपकमिंग फिल्म 'हरि हर वीरा मल्लू' के प्री-रिलीज इवेंट में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई पैसे या रिकॉर्ड के लिए नहीं, बल्कि न्याय के लिए थी। यह फिल्म 24 जुलाई को रिलीज होगी और उनके उपमुख्यमंत्री बनने के बाद उनकी पहली फिल्म होगी। उन्होंने कहा कि उनकी एकमात्र गलती एक फ्लॉप फिल्म देना थी।

तीन प्रमुख सवालों पर हो रहा था विधानसभा का घेराव

जनसुराज के प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज; दो घंटे तक नहीं पहुंच सके विधानसभा या धरनास्थल पर

पटना। मतदाता पुनरीक्षण, बढ़ते अपराध और सरकारी वादाखिलाफी जैसे मुद्दों को लेकर पटना में विधानसभा घेराव करने निकली प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी के प्रदर्शनकारियों को बुधवार को पुलिस के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। सुबह 11 बजे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पार्टी प्रमुख प्रशांत किशोर अपनी टीम के साथ विधानसभा पहुंचने वाले थे, लेकिन चितकोहरा गोलंबर के पास पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान भारी लाठीचार्ज हुआ, जिसमें कई कार्यकर्ता घायल हो गए। दोपहर एक बजे तक भी जन सुराज की टीम धरनास्थल या विधानसभा के पास नहीं पहुंच सकी। प्रशांत किशोर के नेतृत्व में हजारों समर्थकों की भीड़ जैसे ही पटना के बेली रोड होते हुए एयरपोर्ट से गर्दनीबाग स्थित धरना स्थल की ओर बढ़ी, चितकोहरा गोलंबर के पास पुलिस ने रास्ता रोक दिया। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच जमकर नोकझोंक हुई, जिसके बाद लाठीचार्ज शुरू हो गया। कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए और अफ़रातफ़री मच गई। जन सुराज पार्टी की ओर से तीन गंभीर मुद्दों को लेकर इस प्रदर्शन का आयोजन किया गया था। पहला मुद्दा था कि गरीब परिवारों को रोजगार के लिए

सरकार द्वारा घोषित दो लाख रुपये की सहायता अब तक क्यों नहीं मिली। दूसरा यह कि दलित भूमिहीन परिवारों को तीन डिसमिल जमीन क्यों नहीं दी गई और तीसरा था कि भूमि सर्वेक्षण में व्याप्त भ्रष्टाचार पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही। इन सभी सवालों को लेकर जन सुराज पार्टी ने एक करोड़ लोगों के हस्ताक्षर जुटाए थे और इसे विधानसभा के मानसून सत्र में प्रस्तुत करने की योजना थी। इसी उद्देश्य से आज विधानसभा घेराव की घोषणा की गई थी। उन्हीं तीन मुद्दों के साथ बिहार में चल रहे मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान और अपराध को लेकर भी जन सुराज से जुड़े प्रदर्शनकारी आम जनता की आवाज बनने के लिए निकले थे। पुलिस की बंदोबस्त पूरी थी। बेली रोड से आयकर गोलंबर होकर आना संभव नहीं था, क्योंकि इधर विधानसभा है।

सीएम साय ने जताया शोक

छत्तीसगढ़ के वनमंत्री केदार कश्यप के भतीजे निखिल कश्यप की सड़क दुर्घटना में मौत.....

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप के भतीजे और पूर्व सांसद दिनेश कश्यप के बेटे निखिल कश्यप की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के नवा रायपुर में सुबह करीब 4-5 बजे के बीच हादसा हुआ। बाइक के डिवाइडर से टकराने से 19 वर्षीय निखिल की मौके पर मौत हो गई। वहीं एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज चल रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। यह सड़क दुर्घटना सत्य साईं अस्पताल नवा रायपुर के पास हुई, जहां निखिल अपनी बुलेट बाइक पर सवार होकर जा रहा था, तभी उसकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। हादसा इतना जोरदार था कि बुलेट के परखच्चे उड़ गए। घटना की जानकारी पर रायपुर एसएसपी लाल उमेद सिंह, वन मंदिर केदार कश्यप मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का जायजा लिया। मंदिर हसौद पुलिस से मिली

जानकारी के मुताबिक, बाइक पर चार युवक सवार होकर सत्य साईं अस्पताल की ओर जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। इस टक्कर से निखिल 40 फीट दूर फेंका गया। सिर फटने से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पीछे बैठे एक युवक भी गंभीर रुप से घायल है, जिसका इलाज चल रहा है। डायल 112 को सूचना दिये जाने पर टीम मौके पर पहुंची। बताया जाता है कि युवक हेलमेट नहीं पहने थे। इस हादसे पर सीएम साय ने ट्वीट कर शोकर जताया है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि वन मंत्री केदार कश्यप के भतीजे एवं पूर्व सांसद दिनेश कश्यप जी के सुपुत्र निखिल कश्यप की सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन का समाचार अत्यंत दु:खद एवं पीड़ादायक है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल कश्यप परिवार को इस दु:ख की घड़ी में संबल प्रदान करें। घटना के बाद सीएम विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह समेत सभी कैबिनेट मंत्री और बीजेपी के सीनियर नेताओं ने केदार कश्यप के निवास पर पहुंचर दुख जताया। वहीं डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा और पीसीसी चीफदीपक बैज समेत कई नेताओं ने हादसे पर दुख जताया है और मृतात्मा की शांति के लिये ईश्वर से प्रार्थना की है।

जल्द चुकाएं, नहीं तो...किरण खेर को नोटिस

सरकारी आवास का 12.76लाख बकाया

नई दिल्ली। चंडीगढ़ प्रशासन ने पूर्व भाजपा सांसद किरण खेर को सेक्टर 7 में आवंटित सरकारी आवास के लिए लगभग 13 लाख रुपये की बकाया लाइसेंस फीस के लिए नोटिस जारी किया है। अधिकारियों के अनुसार, सहायक नियंत्रक (वित्त एवं प्रशासन) किराया ने 24 जून, 2025 को खेर के सेक्टर 8-ए स्थित कोठी संख्या 65 स्थित आवास पर नोटिस भेजा था। नोटिस में उन्हें जल्द से जल्द बकाया राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया है और चेतावनी दी गई है कि यदि भुगतान में और देरी हुई तो कुल

बकाया राशि पर 12त्न ब्याज लगाया जाएगा। प्रशासन ने भाजपा नेता से कुल 12,76,418 रुपये की मांग की है। यह बकाया राशि सेक्टर 7 स्थित सरकारी आवास टी-6/23 के लाइसेंस शुल्क (किराए) और जुर्माने से संबंधित है।

संक्षिप्त समाचार

24 बल्क लीटर अवैध महुआ शराब एवं 400 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त

बलौदाबाजार (समय दर्शन)/ आबकारी आयुक्त श्याम धावड़े के निर्देश पर कलेक्टर दीपक सोनी एवं जिला आबकारी अधिकारी मुकेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब पर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में बलौदाबाजार वृत्त के थाना बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम सुढ़ेली में आबकारी विभाग की टीम द्वारा आरोपी धन्नू भारती पिता मेहतर के कब्जे से 24 बल्क लीटर महुआ शराब एवं 400 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया गया। महुआ शराब का बाजार मूल्य 4,800 एवं महुआ लाहन का बाजार मूल्य 24,000 रूपए होना पाया। आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2),59(क) च के तहत अपराधस पंजीबध्द कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालयीन अभिरक्षा में भेजा गया। इस दौरान सहायक जिला आबकारी अधिकारी जलेश कुमार सिंह एवं नगर सैनिक राजकुमारी पैकरा उपस्थित थे।

एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत कलेक्टरेट परिसर में फलदार पौधों का रोपण

कलेक्टर सहित विभागीय अधिकारियों ने लगाए फलदार पौधे

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। जिला प्रशासन द्वारा एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के तहत कलेक्टरेट परिसर में फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर कुणाल दुदावत सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और उन्होंने अपने हाथों से पौधारोपण किया। अभियान के अंतर्गत कलेक्टरेट परिसर में कुल 58 फलदार पौधे लगाए गए, जिनमें अमरूद, आंवला, नींबू, कटहल और काजू जैसे पौधे शामिल हैं। इन पौधों का चयन न केवल पर्यावरण को हरा भरा बनाने बल्कि भविष्य में उनके फलों से लाभान्वित होने की दृष्टि से किया गया है। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माँ के सम्मान में एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित करना है, ताकि पर्यावरणीय जागरूकता के साथ-साथ समाज में भावनात्मक जुड़ाव भी स्थापित किया जा सके। यह अभियान जिले में हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के दौरान अपर कलेक्टर श्री राजेश पात्रे समेत जिले के समस्त विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

अब बिना जाति प्रमाण पत्र के भी भर सकेंगे नवोदय विद्यालय प्रवेश फॉर्म

डोंगरगढ़। जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा छठवीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन जारी हैं। इस बार नवोदय विद्यालय समिति ने आवेदन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए जाति प्रमाण पत्र की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है। अब विद्यार्थी बिना जाति प्रमाण पत्र अपलोड किए भी ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। हालांकि चयन के बाद प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। यह परीक्षा राजनांदगांवए खैरागढ़-छुईखदान-गंडई और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिलों के अंतर्गत आने वाले कुल 9 विकासखंडों में आयोजित की जाएगी।

निधन : भागवत ताम्रकार

दुर्ग। गवली पारा निवासी भागवत ताम्रकार का निधन बुधवार 23 जुलाई रायपुर के एम्स हॉस्पिटल में शाम 4 बजे हो गया है। स्वर्गीय भागवत ताम्रकार भाजपा नेता राजेश ताम्रकार के बडे भाई एवं न्यूज पोर्टल शिवनाथ संवाद के पत्रकार रविप्रकाश ताम्रकार व भारती ताम्रकार के पिताजी थे। अंत्येष्टि कार्यक्रम गुरुवार 24 जुलाई को हरनाबांधा मुक्तिधाम मे किया जाएगा।

सलडीह सेवा सहकारी समिति पर उठ रहे सवाल

किसान 1300 की खाद मार्केट से1700 में लेने मजदूर

शासन प्रशासन कहती कुछ है करती कुछ है

डीएपी खाद की भारी किल्लत से किसान बेहाल, रोपाई सीजन में संकट

बसना (समय दर्शन)। बसना साँकरा क्षेत्र में खरीफ सीजन की रोपाई के पीक समय में डीएपी खाद की भारी कमी से सिरको, रेमडा और केशरीपुर गांवों के किसान बेहद परेशान हैं।

सहकारी सेवा केंद्र सलडीह से खाद नहीं मिलने पर किसान मजबूरीवश खुले बाजार से महंगे दामों पर डीएपी खरीदने को मजबूर हैं।

सिरको गांव के किसानों संतोष साहू, जगदीश नेताम और शोभित साहू ने बताया कि ,उन्हें अब तक एक भी बोरी डीएपी खाद नहीं मिल पाई है। उन्होंने कहा कि सरकारी केंद्र से खाली हाथ लौटना अब रोज की बात हो गई है, जिससे खेती कार्यों में भारी बाधा आ रही है।

रेमडा के किसान चक्रधर पटेल, देवनाथ पटेल और भूषण पटेल ने कहा, सरकारी दर 1300 रुपये की खाद हमें बाजार से 1700 रुपये में खरीदनी पड़ रही है। सरकार समय पर खाद नहीं दे पा रही तो बाद में क्या फायदा? नुकसान तो अभी हो रहा है।

केशरीपुर के किसानों का कहना है कि खेतों में खाद की तत्काल आवश्यकता है, लेकिन सलडीह केंद्र में डीएपी का नामोनिशान नहीं है। कर्मचारियों से जवाब मिलता है ङ्क डाटा भेजा गया है, खाद आएगी तब वितरण होगा। ऐसे जवाबों से किसान भ्रमित और हताश हैं।

सलडीह सेवा सहकारी समिति के प्रभारी लक्ष्मी सिदार से संवाददाता ने संपर्क किया, जिस पर उन्होंने बताया कि खाद का डाटा ऊपर भेजा गया है, लेकिन अभी तक उच्च स्तर से कोई सप्लाई नहीं आई है।

किसानों ने आशंका जताई है कि खाद की इस किल्लत के पीछे कालाबाजारी को बढ़ावा देने की कोशिश हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि डीएपी खाद की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो।

ग्राम दानोखार में तिल की खेती पर कृषक प्रशिक्षण एवं फसल प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित

मुंगेली(समय दर्शन) कृषकों को उन्नत तकनीकों से जोड़ने एवं तिलहन फसलों के रकबा, उत्पादन व उत्पादकता बढ़ाने हेतु कृषि विज्ञान केंद्र मुंगेली द्वारा लोरमी विकासखण्ड के सुदूर वनांचल ग्राम दानोखार में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत तिल की खेती पर फसल प्रदर्शन, प्रशिक्षण व प्रक्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत चयनित कृषकों को उन्नत बीज वितरण एवं वैज्ञानिक खेती की जानकारी प्रदान करने के साथ हुई। इस अवसर पर कृषक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र की विषय विशेषज्ञ डॉ. प्रमिला जोगी ने तिल उत्पादन से संबंधित भूमि चयन, जलवायु अनुकूलता, प्रमुख किस्में, भूमि की तैयारी एवं बीजोपचार की विस्तृत जानकारी दी। विषय विशेषज्ञ श्रीमती नेहा लहरे ने मिट्टी परीक्षण के लाभ, उचित बुवाई समय, बीज दर, सिंचाई एवं उर्वरक प्रबंधन, निंदाई-गुड़ाई, कीट-रोग नियंत्रण तथा कटाई व उपज से संबंधित समस्त तकनीकी पहलुओं पर जानकारी साझा की। प्रशिक्षण के उपरांत कृषकों के खेतों का भ्रमण कर निंदाई-गुड़ाई, खरपतवार नियंत्रण एवं कीट-व्याधि रोकथाम हेतु आवश्यक वैज्ञानिक विधियों का प्रदर्शन भी किया गया, जिससे कृषकों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती मीना बाई अनंत, कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी भुनेश दिवाकर एवं नितेश गुप्ता, पंचायत सचिव मलिक राम अनंत, पंच श्रीमती मनीषा मरकाम, पार्वती बाई धुर्वे, अमरीका बाई सहित बड़ी संख्या में कृषकगण उपस्थित रहे।

डॉ. प्रतिभा मंडलोई ने संभाला पथरिया विकासखंड शिक्षा अधिकारी का कार्यभार

शिक्षा की गुणवत्ता व योजनाओं के क्रियान्वयन में समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प

मुंगेली(समय दर्शन) विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय पथरिया में डॉ. प्रतिभा मंडलोई ने नवपदस्थ विकासखंड शिक्षा अधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण किया। यह पदभार उन्हें पूर्व विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री पी. एस. बेदी के सेवानिवृत्त होने के पश्चात सौंपा गया है। बेदी के सेवानिवृत्त के बाद अस्थायी रूप से श्री रविपाल राठौर को प्रभार सौंपा गया था।

डॉ. मंडलोई ने पदभार ग्रहण करते हुए कहा कि वे विकासखंड में शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षकों की उपस्थिति, 90 प्लस कार्यक्रम तथा शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी के साथ मिलकर कार्य करेंगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और शैक्षणिक वातावरण को मजबूत बनाने की दिशा में सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे।

कार्यभार ग्रहण समारोह में विकासखंड कार्यालय मुंगेली एवं पथरिया के समस्त स्टाफ और समन्वयक साथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने डॉ. मंडलोई का आत्मीय स्वागत किया और उनके नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने की आशा व्यक्त की। उनकी कार्यशैली, निष्ठा और समर्पण को लेकर कर्मचारियों में विशेष उत्साह देखा गया।समारोह सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें उपस्थित सभी ने शिक्षा क्षेत्र में नवाचार और गुणवत्ता उन्नयन की दिशा में मिल-जुलकर कार्य करने का संकल्प दोहराया।इस अवसर पर सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी रविपाल राठौर, यतेन्द्र भास्कर, बीआरसी अशोक यादव, मोहित खाण्डेय, उत्तम सिंह सोलंकी, महेन्द्र ठाकुर, रितेश सिंगरौल, गजानंद सिंगरौल, महेन्द्र खरे, अमित गेंदले, रोहित मोहले, तीजराम यादव, सत्येन्द्र मिरे, बृजमोहन सोनवानी, बलदाऊ कौशिक, प्रिया यादव, नरेन्द्र सिंगरौल, रमाशंकर साहू सहित अनेक शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

दंतेवाड़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: बलात्कार के आरोपी को पानीपत से किया गिरफ्तार

गीदम पुलिस ने दिखाई तत्परता, नेपाल के आरोपी को युवती से दुष्कर्म के मामले में पकड़ा

साइबर लोकेशन और मुखबिर की मदद से दंतेवाड़ा पुलिस ने बलात्कारी को दबोचा

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। अपराधों की रोकथाम और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक गौरव राय, के दिशा-निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उदित पुष्कर और रामकुमार बर्मन के मार्गदर्शन, तथा एसडीओपी बारसूर गोविंद दीवान के पर्यवेक्षण में निरीक्षक विजय पटेल के नेतृत्व में गीदम पुलिस ने युवती से बलात्कार के आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

16 जुलाई 2025 को पीड़िता के पिता ने थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी पुत्री बिना बताए कहीं चली गई है। शिकायत के आधार पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान मुखबिर की सूचना और साइबर लोकेशन के आधार पर युवती की लोकेशन हरियाणा के पानीपत में मिली। गीदम पुलिस की एक विशेष टीम ने पानीपत पहुंचकर युवती को बरामद किया और पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपी दिनेश राजपूत (उम्र 27 वर्ष, निवासी विराट नगर, नेपाल) को हिरासत में लिया।

पीड़िता ने अपने बयान में बताया कि 12 जुलाई 2025 को आरोपी ने उसे एक केस में गवाही के बहाने वारंगल ले जाकर एक लॉज में जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद 13 जुलाई को उसे दिल्ली घुमाने के बाद पानीपत ले गया, जहां रेलवे स्टेशन के पास एक लॉज में फिर से जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। पीड़िता ने किसी तरह बचकर अपने चाचा को घटना की जानकारी दी और पानीपत सिटी थाने में शिकायत दर्ज कराई। गीदम पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। इस कार्यवाही में सउनि अनिल कुमार ध्रुवे, सउनि आरती दीवाकर, प्र.आर. क्र. 378 रोहित कुर्रे, म.आर. क्र. 96 प्रियंका यादव, म.आर. क्र. 573 रेखा वर्मा और म.डीएसएफ आर. 3042 ज्योति बघेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संवेदनशीलता से करें पेंशन प्रकरणों का निराकरण -कलेक्टर

पेंशन प्रकरण एवं ज़ीएसटी बिल के सम्बन्ध में एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

बलौदाबाजार (समय दर्शन)। जिला पंचायत के सभागार में जिला कोषालय द्वारा पेंशन प्रकरणों के त्वरित निराकरण हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में आभार पोर्टल के संचालन,ई- बिल में ज़ीएसटी व टीडीएस कटौती,पेंशन प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया, तकनीकी दिक्कतों के समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कलेक्टर दीपक सोनी ने कहा सभी विभाग अपने यहां लंबित पेंशन प्रकरणों का यथाशीघ्र निराकरण करें। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारियों के लिए पेंशन ही उनकी आमदनी का जरिया होता है। यह काफी संवेदनशील और भावुक कर देने वाला विषय है। उन्होंने कहा कि जीवन पर्यन्त सेवाएं देने के बाद एक सेवानिवृत्त कर्मचारी की यही अपेक्षा होती है कि उसे समय पर पेंशन का भुगतान हो जाये। उन्होंने कहा कि शासकीय कर्मचारियों को एक दिन सेवानिवृत्त होना ही होता है इसलिए हमें पेंशन प्रकरण का निराकरण पूरी संवेदनशीलता से मिशन मोड पर करना चाहिए। आप यह सुनिश्चित करे कि किसी भी सेवानिवृत्त कर्मचारी को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े। कार्यशाला में जिला कोषालय अधिकारी सुश्री सौम्या शर्मा ने सभी विभागों के जिला स्तरीय कार्यालयों के आहरण संवितरण अधिकारी (डीडीओ), लेखाधिकारियों को पेंशन प्रकरणों के निराकरण के संबंध में आ रही परेशानियों का समाधान भी किया।

कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों की ली बैठक

बेहतर विद्युत व्यवस्था, निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं उपभोक्ताओं की शिकायतें प्राथमिकता से दूर करने दिए निर्देश, कलेक्टर ने बार बार बिजली कटौती पर नाराज़गी जाहिर की

जांजगीर-चांपा समय दर्शन/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभा कक्ष में विद्युत विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने जिले में बेहतर विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और उपभोक्ताओं की शिकायतों का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि बिजली आमजनों से जुड़ी महत्वपूर्ण आवश्यकता है इसलिए संबंधित अधिकारियों को विद्युत से जुड़ी आम उपभोक्ताओं की समस्याओं का संवेदनशीलता से समाधान करना चाहिए। उन्होंने बार बार के बिजली कटौती पर नाराज़गी जाहिर करते हुए व्यवस्था में सुधार की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि विद्युत व्यवधानों के अटेण्ड करने का टाईम कम से कम हो। कर्मचारीगण तत्काल मौके पर पहुंच कर विद्युत व्यवधान को दुरूस्त करें। कलेक्टर ने कहा कि अघोषित बिजली की कटौती से नागरिकों को काफी परेशानी होती है, जिसे ध्यान में रखते हुए कार्य करें। उन्होंने विद्युत समस्याओं के निराकरण के लिए सभी विकासखंड मुख्यालय सहित अधिक समस्या वाले क्षेत्रों में शिविर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने सहायक अभियंता, उप अभियंता को मुख्यालय में रहने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर ने कहा कि आमजनता के साथ ही कृषि, व्यापारिक प्रतिष्ठानों में बिजली आपूर्ति से संबंधित प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करें। कलेक्टर ने शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के स्कूल एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों के परिसरों में लगे ट्रांसफार्मर जैसे विद्युत उपकरण बच्चों की पहुंच से दूर रहें और इनके आसपास सुरक्षात्मक घेराव हो, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। बैठक में कलेक्टर ने ट्रांसफार्मर, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सब स्टेशनों में अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, लाइन एवं पोल शिफ्टिंग सहित अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की और बेहतर कार्ययोजना के साथ उपभोक्ताओं की समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री अधोसंरना विकास योजना अंतर्गत ग्राम सिवनी व तिलाई में 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र के निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। जिससे क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इससे अधिक लोड, ट्रिपिंग और बार-बार की कटौती जैसी समस्याओं से आमजनता को निजात मिलेगी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अधीक्षण अभियंता श्री अमर चौधरी, कार्यपालन अभियंता श्री ए के भारद्वाज, श्री आर के चौहान, एच के मंगेश्कर सहित सर्व सहायक अभियंता, उप अभियंता उपस्थित थे।

25 जुलाई से 8 अगस्त तक विद्युत समाधान शिविर का होगा आयोजन - कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देश में विद्युत समास्याओं के निराकरण के लिए सभी विकासखंड मुख्यालय सहित 11 स्थानों पर 25 जुलाई से 08 अगस्त तक विद्युत समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 25 जुलाई को कोटगढ़ एवं सारागांव में, 30 जुलाई को धाराशिव, बलौदा एवं अकलतरा में, 31 जुलाई को पामगढ़ एवं बुड़गहन, 5 अगस्त को शिवरीनारायण में, 7 अगस्त बिर्रा और केरा एवं 8 अगस्त को नवागढ़ में शिविर का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शत प्रतिशत निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

सड़कों पर निराश्रित पशुओं की आवाजाही पर प्रभावी रोकथाम की जाए

समन्वित प्रयास से होगा निराश्रित पशुओं की समस्या का समाधानः सीएम साय

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने मंगलवार को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़कों पर निराश्रित पशुओं की आवाजाही पर प्रभावी रोकथाम की जाए। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की एक प्रमुख वजह निराश्रित मवेशी हैं, जिन्हें नियंत्रित करने के लिए सभी संबंधित विभागों को त्वरित, ठोस और समन्वित कार्य योजना के साथ आगे बढ़ना होगा।

मुख्यमंत्री साय ने पशुधन विकास, नगरीय प्रशासन एवं विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और लोक निर्माण विभाग को आपसी तालमेल के साथ जिम्मेदारी साझा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह समस्या शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में गंभीर है और इसके समाधान में किसी प्रकार की ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी।

बैठक में मुख्यमंत्री साय ने राज्य में संचालित गौशालाओं, गौठानों, कांजी हाउस एवं काउ-कैचर (ष्टश्र2-ष्टड्डह्लष्द्धद्गह्) जैसी व्यवस्थाओं की स्थिति की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने इन संस्थानों की वर्तमान उपयोगिता, क्षमता और सुधार की संभावनाओं पर भी गहन चर्चा की और सुझाव माँगे।

मुख्यमंत्री साय ने विशेष रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे स्थित गांवों में पशुओं के प्रबंधन हेतु प्रभावी एवं व्यावहारिक मॉडल विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हाईवे पर पशुओं की उपस्थिति केवल यातायात में बाधा नहीं, बल्कि जानलेवा दुर्घटनाओं का कारण बनती है, अतः इस दिशा में प्राथमिकता के साथ कार्रवाई आवश्यक है। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं के मामलों और उनमें निराश्रित पशुओं की भूमिका की समीक्षा की गई। साथ ही, गोधन विकास से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने निराश्रित एवं लावारिस गौवंश की देखभाल, चारे की उपलब्धता और उनके पुनर्वास के लिए सुनियोजित रणनीति अपनाने की बात कही। नगरीय क्षेत्रों में सड़कों पर घूमने वाले पशुओं की रोकथाम के लिए काउ-कैचर की कार्यप्रणाली और उसके विस्तार पर भी विचार-विमर्श किया गया। कृषि एवं पशुधन विकास विभाग की सचिव श्रीमती शहला निगार ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से प्रदेशभर की गौठानों, गौशालाओं एवं पशुधन विकास योजनाओं की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया।

बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर सिंह पटेल, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद एवं राहुल भगत, नगरीय प्रशासन विभाग एवं मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. बसवराजु एस. तथा लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

फ़ोन चुराकर खाते से उड़ाते थे पैसे, 6 अंतरराज्यीय आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर पुलिस ने मोबाइल फ़ोन चोरी और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए झारखंड और पश्चिम बंगाल के 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों के पास से 10 चोरी के मोबाइल फ़ोन, 1 लाख रुपये नकद और 10 एटीएम कार्ड जब्त किए गए हैं।

सब्जी बाजार में चोरी, फ़ोन-पे से उड़ाए 99 हजार रुपये- मामला गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के पहाड़ी चौक स्थित सब्जी बाजार का है। प्रार्थी मुन्नालाल पटेल सब्जी खरीदने गया था, तभी किसी ने उसका मोबाइल चोरी कर लिया। कुछ ही देर में उसके खाते से फ़ोन-पे के जरिए 99,000 रुपये निकाले गए।

जांच में सामने आया कि यह गिरोह तीन समूहों में काम करता था: पहला समूह भीड़भाड़ वाले बाजारों में मोबाइल चोरी करता दूसरा समूह ङ्क चोरी के मोबाइल से पीड़ितों के बैंक खातों से पैसा निकालकर उसे पश्चिम बंगाल स्थानांतरित करता

तीसरा समूह ङ्क ट्रांजैक्शन की राशि को एटीएम से निकालकर रकम झारखंड भेजता और कमीशन में बांटता

देशभर में फैलाया था जाल- इस गिरोह की सक्रियता बिहार, झारखंड, एमपी, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, तेलंगाना, तमिलनाडु, यूपी, दिल्ली और उत्तराखंड जैसे राज्यों में भी देखी गई है। पुलिस के अनुसार, इन मोबाइलों से करोड़ों रुपये के ट्रांजैक्शन का सुराग मिला है।

साइबर यूनिट और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई- गुढ़ियारी थाना और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम ने सीसीटीवी फुटेज, बैंक खाता ट्रेल और मोबाइल डेटा की जांच के बाद पश्चिम बंगाल और झारखंड में हफ्तों कैंप कर विकास महतो, यासीन कुरैशी, शेख सुलेमान उर्फ राजन, अंकित शर्मा, सोनू मंडल और पिंटू मोहले को गिरफ्तार किया।

बरामद सामग्री 10 नग चोरी के मोबाइल फ़ोन 1,00,000 नकद 10 एटीएम कार्ड

कानूनी कार्रवाई- आरोपियों के खिलाफ थाना गुढ़ियारी में अपराध क्रमांक 327/25, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरोह द्वारा संगठित अपराध करने के आधार पर अतिरिक्त धाराएं जोड़कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस बड़ी कार्रवाई में निरीक्षक बीएल चंद्राकर, साइबर यूनिट प्रभारी परेश कुमार पांडेय, उपनिरीक्षक मुकेश सोरी, सउनि अतुलेश राय, प्र.आर. संतोष वर्मा, हिमांशु राठौर, बसंती मौर्य सहित कई जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बढ़ईपारा में HSRP रजिस्ट्रेशन कैंप, 150 लोगों ने करवाया पंजीकरण

रायपुर। विश्वकर्मा समाज रायपुर और छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के संयुक्त तत्वावधान में एचएसआरपी (हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट) रजिस्ट्रेशन का एकदिवसीय शिविर 22 जुलाई को दुलार धर्मशाला, बढ़ईपारा में आयोजित किया गया।

इस पहल का उद्देश्य लोगों को वाहन सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना और एचएसआरपी लगवाने की प्रक्रिया को आसान बनाना था। शिविर में लगभग 150 वाहन मालिकों ने निर्धारित शुल्क देकर रजिस्ट्रेशन कराया। शिविर का उद्घाटन तात्यापारा वार्ड की पार्षद एवं जोन-7 की अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा ने किया। उन्होंने बताया कि यह अभियान सड़क एवं परिवहन विभाग, विश्वकर्मा समाज रायपुर और चैंबर ऑफकॉमर्स की साझा पहल है। भविष्य में राशन कार्ड, मजदूर कार्ड, आधार, पेंशन, स्वास्थ्य शिविर, पीएम आवास और महतारी वंदन योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए भी शिविर लगाए जाएंगे। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया का संचालन सड़क एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों आकृति बख्शी, श्रवण सिंह और एचएसआरपी टीम के पायल, योगेश द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि एक अप्रैल 2019 से पहले रजिस्टर्ड सभी वाहनों में एचएसआरपी लगाना अनिवार्य है। रजिस्ट्रेशन के 10-12 दिन के भीतर नंबर प्लेट बनकर तैयार हो जाती है और इसे परिवहन विभाग द्वारा अधिकृत कंपनी के माध्यम से ही वाहन में लगाया जाता है।

जरूरी दस्तावेज- एचएसआरपी रजिस्ट्रेशन के लिए वाहन मालिक को आरसी बुक, आधार कार्ड और पंजीकृत मोबाइल नंबर साथ लाना अनिवार्य है। यह पहल वाहन चोरी रोकने और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है।

कार्यक्रम में श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा के साथ-साथ चैंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन, विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष रमेश शर्मा और समाज के अन्य प्रमुख सदस्य—मनोज, सूरज, शंकर, राहुल, गरिमा, संतोष, प्रमोद, विजय, रोहित विश्वकर्मा और प्रनीत जैन मौजूद रहे।

चैतन्य बघेल मामले पर कांग्रेस की नाकेबंदी, वित्त मंत्री चौधरी ने उठाए 5 सवाल...

रायपुर। शराब घोटाले मामले में चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस ने मंगलवार को प्रदेशव्यापी आर्थिक नाकेबंदी की। इस प्रदर्शन को लेकर राज्य के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के फैसलों को लेकर पांच तीखे सवाल उठाए हैं और तथ्यों को सार्वजनिक करने की चुनौती दी है।

ओपी चौधरी ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर कांग्रेस से पूछा कि अगर सब कुछ पारदर्शी था तो इन निर्णयों की जिम्मेदारी कौन लेगा?

ओपी चौधरी के सवालः

क्या भूपेश बघेल सरकार ने 16 अक्टूबर 2019 को गारे पेलमा सेक्टर-2 के लिए जनसुनवाई नहीं कराई थी?

क्या 31 मार्च 2021 को कांग्रेस सरकार ने इस प्रोजेक्ट को पर्यावरणीय मंजूरी की सिफारिश नहीं की थी?

क्या 19 अप्रैल 2022 को फॉरेस्ट क्लीयरेंस (स्टेज-1) की सिफारिश कांग्रेस सरकार ने नहीं की थी?

क्या 23 जनवरी 2023 को फॉरेस्ट क्लीयरेंस (स्टेज-2) के लिए भी सिफारिश कांग्रेस सरकार ने नहीं भेजी थी?

क्या महाराष्ट्र में जब महाजेनको (MAHAGENCO) ने अडानी ग्रुप को MDO नियुक्त किया, उस समय वहां कांग्रेस समर्थन वाली सरकार नहीं थी?

राजनीतिक टकराव तेज

चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी और ईडी की कार्रवाई को लेकर कांग्रेस ने राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है, जबकि बीजेपी इसे वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई बता रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पहले ही बयान दे चुके हैं कि चैतन्य राजनीति में नहीं है, फिर भी उसे निशाना बनाया जा रहा है। यह केवल एक व्यक्ति पर नहीं, पूरे छत्तीसगढ़ पर हमला है। वहीं, ओपी चौधरी ने साफ कहा है कि कांग्रेस सवालों से भाग रही है। अब जवाब देने का वक्त है।

कांग्रेस की आर्थिक नाकेबंदी पर भाजपा का तंज

जनता ने दिया करारा जवाब, कांग्रेस का ड्रामा सुपर फ्लॉपः अरुण साव

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की ओर से की गई आर्थिक नाकेबंदी पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को सुपर फ्लॉप करार देते हुए कहा कि भ्रष्टाचारियों के पक्ष में किया गया यह प्रयास जनता ने खुद नकार दिया। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल ने सत्ता में रहते आर्थिक अपराध किए, और अब विपक्ष में रहकर प्रदेश को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस को सिर्फ शहजादों की चिंता

प्रेस वार्ता में बोलते हुए साव ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ चुनिंदा परिवारों के लिए प्रदर्शन करती है। बाकी नेताओं और कार्यकर्ताओं का पार्टी में कोई मोल नहीं बचा है। पहले बघेल ने धन मोह में अपनी साख गवाई, अब पुत्र मोह में 'धृतराष्ट्र' बने बैठे हैं।

गिरफ्तारी पर गर्व? किस बात का?

उपमुख्यमंत्री ने चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी को लेकर भूपेश बघेल की टिप्पणी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि क्या आर्थिक अपराध में बेटे का नाम आना गर्व की बात है? डॉक्टर, इंजीनियर या समाजसेवी बनने पर गर्व होता है, न कि जब किसी पर हजारों करोड़ के घोटाले का आरोप लगे।

ईडी की रिपोर्टः 1000 करोड़ की पीओसी का मामला

साव ने ईडी की प्रेस विज्ञप्ति का हवाला देते हुए कहा कि चैतन्य बघेल पर 1000 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध संपत्ति को संभालने का आरोप है। ईडी के मुताबिक, चैतन्य ने अपनी रियल एस्टेट कंपनियों के ज़रिए 16.70 करोड़ की पीओसी को खपाया। वह तत्कालीन कांग्रेस कोषाध्यक्ष को ये अवैध राशि पहुँचाने में शामिल थे।

भ्रष्टाचारियों के समर्थन में जनता नहीं

साव ने कांग्रेस की नाकेबंदी को लेकर कहा कि भ्रष्टाचारियों के समर्थन में सड़क पर उतरने का यह षड्यंत्र पूरी तरह विफल रहा। छत्तीसगढ़ की जनता समझदार है और अपराधियों के साथ खड़ी नहीं होती।

कांग्रेस सरकार ने ही की थी तमाम सिफारिशें

पूर्व में कांग्रेस शासन के दौरान तमनार, गारे-पेलमा और फॉरेस्ट क्लीयरेंस के मामलों की याद दिलाते हुए साव ने कहा कि भूपेश बघेल खुद अडानी प्रोजेक्ट्स के लिए सिफारिशें करते रहे हैं, अब विरोध की राजनीति कर रहे हैं।

प्रदेश का धन्यवाद

साव ने अंत में कहा कि प्रदेश भर की जनता, व्यापारिक संगठनों और श्रमिकों ने कांग्रेस की नाकेबंदी को नकार दिया और प्रदेश की शांति और गरिमा को बनाए रखा। प्रेस वार्ता में विधायक पुरंदर मिश्रा, प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी, सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल, जिलाध्यक्ष रमेश ठाकुर और मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी आलोक सिंह उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

अपोलो हॉस्पिटल्स बिलासपुर में गंभीर एओर्टिक स्टेनोसिस के 65 साल के मरीज़ पर TAVI प्रक्रिया सफलतापूर्वक की गयी

बिलासपुरः 65 साल के श्री बाबू लाल को जब अपोलो हॉस्पिटल्स बिलासपुर में लाया गया तब उनकी स्थिति बहुत ही गंभीर हो चुकी थी। सीने में दर्द, सांस फूलना, खांसी के साथ-साथ वे कोई भी हल्की-फुल्की शारीरिक गतिविधि भी करने में असमर्थ थे। उनके हृदय का आकार सामान्य से बड़ा हो चूका था। वे मधुमेह, उच्च रक्तचाप से पीड़ित थे और ट्यूबरक्लोसिस भी पहले हो चूका था। जांच से गंभीर एओर्टिक स्टेनोसिस का पता चला। इस स्थिति में हृदय के निचले बाएं कक्ष और शरीर की मुख्य धमनी, जिसे महाधमनी कहा जाता है, के बीच महाधमनी वाल्व संकुचित हो जाता है और पूरी तरह से नहीं खुलता। इससे हृदय से शरीर के बाकी हिस्सों में रक्त के प्रवाह में बाधाएं आती हैं या रक्त का प्रवाह ब्लॉक हो जाता है। अपोलो हॉस्पिटल्स बिलासपुर के डीएम, कार्डियोलॉजी डॉ. अभिषेक कौशले ने कहा, बीमारी का निदान गंभीर था और तत्काल उपचार की आवश्यकता थी। मरीज़ की उम्र, सह-रुग्णताओं और जटिलताओं को देखते हुए, ओपन हार्ट सर्जरी संभव नहीं थी। टीएवीआई या ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व इम्प्लांटेशन, एक मिनिमली इन्वेसिव प्रक्रिया है जिसका उपयोग क्षतिग्रस्त एओर्टिक वाल्व को बदलने के लिए किया जाता है, इस प्रक्रिया को करने का निर्णय लिया गया। अपोलो हॉस्पिटल्स बिलासपुर के सीईओ डॉ. अर्नब एस राहा ने कहा, श्री लाल की तबियत तेज़ी से ठीक होना टीएवीआई के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाता है। मरीज़ों के लिए, उनके अपने ही शहर में टीएवीआई उपलब्ध कराकर, अपोलो हॉस्पिटल्स बिलासपुर ने उपचार के लिए महानगरों तक जाने की आवश्यकता को कम किया है, इससे उपचार का कुल खर्च कम हुआ है, और लोगों को जीवन रक्षक उपचार कम से कम समय में उपलब्ध होना सुनिश्चित हुआ है। जटिल हृदय स्थितियों वाले मरीज़ों में, जब ओपन हार्ट सर्जरी नहीं की जा सकती, तब टीएवीआई हमें जोखिमों से बचने और साथ ही मरीज़ों को सामान्य जीवन जीने का दूसरा मौका देने में मदद करता है। हम मरीज़-केंद्रित देखभाल के लिए समर्पित हैं और हमारी इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी टीम सर्वोत्तम संभव परिणाम सुनिश्चित करने के लिए काम करती है। समस्याएं यहीं खत्म नहीं हुई। बायाँ वेंट्रिकल (मुख्य पंपिंग चेम्बर) कमज़ोर था, जिससे हर धड़कन के साथ केवल लगभग 30-35त्न रक्त ही शरीर में प्रवाहित हो पा रहा था। हृदय के चेम्बर की मांसपेशीय दीवार सामान्य से कहीं अधिक मोटी थी। मरीज़ को हल्का दिल का दौरा पड़ा था जिससे हृदय की मांसपेशी क्षतिग्रस्त हो गई थी। कोरोनरी एंजियोग्राम से पता चला कि दाहिनी कोरोनरी धमनी में 90त्न रुकावट है।

अर्थी में चढ़ने से पहले जीवन का अर्थ समझ लें : मनीष सागर

रायपुर। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में चातुर्मासिक प्रवचनमाला में मंगलवार को युवा मनीषी मनीष सागर महाराज ने कहा कि जीवन का अर्थ है जीवन में वह कम करो, जिससे अपना भला हो। सवाल होगा कि यहां अपना कौन है ? जवाब है कि यहां अपना आपकी आत्मा है। वास्तव में अपना भला ही आत्मा का भला है और अपना भला ही जीवन की सार्थकता है। इसलिए अर्थी पर चढ़ने से पहले अपने जीवन की सार्थकता हो जाए। अपने जीवन का अर्थ समझ आ जाए। यही अपना अर्थात आत्मा का कल्याण है। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि यह समझना होगा कि यह मेरा शरीर नहीं है, यह किराए का है और आत्मा मेरी नहीं मैं ही आत्मा हूं, मेरा अस्तित्व भी आत्मा है। हमारा शरीर अपने विभिन्न अंगों से विभिन्न क्रियाएं करता है। यह क्रियाएं करता तो शरीर है लेकिन भाव आत्मा का होता है। लोग दुनिया में है, जो कहते हैं कि आत्मा शून्य है, कुछ नहीं करती। यदि आत्मा शून्य है तो परमात्मा शून्य है तो पूजा किसकी करना, स्वाध्याय, सामायिक, प्रतिक्रमण किसका करना, आज्ञा में किसके जीना ? ये सब अपन शून्य करने के लिए नहीं पूर्ण होने के लिए कर रहे हैं। आत्मा को शून्य मानोगे तो फिर हम पूर्ण कैसे होंगे,आत्मा शून्य नहीं है, ना थी ना है और ना होगी। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि परमात्मा ने रहस्य का खुलासा किया है कि ये शरीर तो मात्र पिंजरा है। इस पिंजरे में पंछी कोई और है। भीतर पंछी है और हम पिंजरा देखकर महसूस करते हैं कि जहां पिंजरा है वहां पक्षी है, यह हमारी गलतफहमी है। वास्तव में पिंजरा बाहर होता और पक्षी भीतर होता है। पिंजरा वहीं रह जाता है और पक्षी उड़ जाता है। इस बात का एहसास होने लगता है तो समझ में आता है, इस शरीर के भीतर एक आत्मा है,जो आत्मा अरूपी है लेकिन इस में चेतना है, ज्ञान शक्ति है, सुख शक्ति संपन्न है। आत्मा ही भावना करती है। उत्साह पैदा करती है,वही सुखी दुखी होती है। वही आत्मा जब शरीर को छोड़कर चली जाती है तो इस शरीर की वैल्यू राख से अधिक बढ़कर कुछ नहीं रह जाती है। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन का फोकस शरीर नहीं होना चाहिए बल्कि आत्मा का कल्याण करना होना चाहिए। क्योंकि जब शरीर भिन्न है, आत्मा भिन्न है तो मैं कौन हूं ? ज्ञानी कहते हैं जो उत्तर आपको कि मैं यह हूं मिले तो उस मैं का भला करो। इस जीवन में वह आत्मा मैं ही है इसलिए जीवन में आत्मा का भला करना है। मनुष्य बने हैं तो जीवन को व्यर्थ नहीं करना है। कुछ ना कुछ बनना है, कुछ ना कुछ पाना है, कुछ ना कुछ कर गुजरना है तो क्या करना है इसलिए हमारा लक्ष्य बने अपनी आत्मा का भला करना है। यह समझना होगा यह शरीर मेरा नहीं है,यह किराए का है और आत्मा मेरी नहीं मैं ही आत्मा हूं, मेरा अस्तित्व ही आत्मा है।

मोबाइल फाइनेंस के नाम पर लाखों की ठगी करने वाला 'लवली' गिरफ्तार

रायपुर। मोबाइल फोन फाइनेंस कराने और लोन दिलाने के झांसे में लोगों को फंसाकर लाखों की ठगी करने वाला आरोपी सिमरन जीत सिंह अजमानी उर्फलवली को रायपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से 16 नग आईफोन बरामद किए गए हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 15 लाख रुपये आंकी गई है।

ऐसे देता था ठगी को अंजाम- आरोपी लोन दिलाने का झांसा देकर लोगों के नाम से मोबाइल फाइनेंस कराता, लेकिन मोबाइल उन्हें न देकर खुद रख लेता था और लोन पास भी नहीं कराता। फाइनेंस कराए गए फोन की किश्तें पीड़ितों को चुकानी पड़ती थीं, जिससे उन्हें दोहरी आर्थिक चोट लगती थी।

केस का खुलासा ऐसे हुआ- प्रार्थिया महेश्वरी फुटान ने थाना गोलबाजार में रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी ने लाल गंगा मॉल और क्रोमा भाटागांव में उसके नाम से दो मोबाइल फाइनेंस कराए और उसे एक भी फोन नहीं सौंपा। जब प्रार्थिया ने लोन के बारे में पूछा तो आरोपी ने टालमटोल कर फोन बंद कर दिया और संपर्क से बाहर हो गया।

संपादकीय

इंडिया गठबंधन को तवज्जो नहीं

बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर इंडिया गठबंधन के विरोध को उच्चतम न्यायालय ने खास तवज्जो नहीं दी है, लेकिन कहा जा सकता है कि निर्वाचन आयोग के भी कान उमेठ दिए गए हैं। न्यायालय ने आयोग को इस प्रक्रिया को पूर्ण करने से तो नहीं रोका लेकिन कहा कि किसी मतदाता की नागरिकता की जांच करना आयोग का नहीं अपितु गृह मंत्रालय का काम है। आयोग को इस प्रक्रिया में आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने पर विचार करना चाहिए। पुनरीक्षण के समय पर भी न्यायालय ने सवाल उठाया। राज्य में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। उससे ठीक पहले पुनरीक्षण की जरूरत क्या थी। हालांकि एसआईआर को संवैधानिक दायित्व मानते हुए न्यायालय ने आयोग को एसआईआर जारी रखने की अनुमति दी है। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मतदान के अधिकार को महत्त्वपूर्ण अधिकार करार देते हुए कहा, हम किसी संवैधानिक संस्था को वह करने से नहीं रोक सकते जो उसका कर्त्तव्य है। पीठ ने एसआईआर का विरोध कर रहे पक्ष की सुनवाई की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए इस अभियान को चुनौती देने वाली 10 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 28 जुलाई की तारीख तय की है और आयोग से एक सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है। आयोग के इस कथन को पीठ ने रिकॉर्ड में लिया कि एसआईआर के लिए जिन 11 दस्तावेज पर विचार करना था, उनकी सूची संपूर्ण नहीं थी और आदेश दिया कि निर्वाचन आयोग आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड जैसे तीन दस्तावेज पर भी विचार करे। निर्वाचन आयोग के वकीलों के एतराज पर पीठ ने इसे अनिवार्य नहीं बताया लेकिन खारिज करने का ठोस कारण भी पूछा। पीठ ने एसआईआर को रोका नहीं क्योंकि 10 याचिकाकर्ताओं में किसी ने भी इसका अनुरोध नहीं किया था। हालांकि निर्वाचन आयोग संवैधानिक दायित्व के तहत ही पुनरीक्षण का काम कर रहा है, लेकिन जो 11 दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, वे सब लोगों के पास हों यह संभव ही नहीं है। निर्वाचन आयोग को पासपोर्ट, मैट्रिक और जन्म प्रमाणपत्र की जगह आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को मान्यता देनी ही होगी। इन्हें सब जगह स्वीकार किया जा चुका है।

मोबाइल के जरिए ई-मतदान

प्रमोद भार्गव

देशमें मतदान के प्रति अरुचि प्रत्येक चुनाव में देखने में आती रही है। रोगग्रस्त या लाचारों को तो छोड़िए, उच्च शिक्षित वर्ग भी मतदान के प्रति सबसे ज्यादा उदासीन रहता है। वैसे तो निर्वाचन आयोग मतदान का प्रतिशत और सुविधापूर्ण मतदान के लिए अनेक प्रयोग करता रहा है, लेकिन अब बिहार राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निकाय के उपचुनाव में पहली बार ई-वोटिंग का प्रयोग करके इतिहास रच दिया है। मोबाइल से ई-मतदान की सुविधा के चलते बिहार के इस चुनाव में 80.60 प्रतिशत और उपचुनाव में 58.38 प्रतिशत मतदाताओं ने मोबाइल के जरिए मतदान किया। पहली महिला ई-वोटर विभा कुमारी और पहले पुरुष मतदाता मुन्ना कुमार बने। राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. दीपक प्रसाद ने मोबाइल से ई-मतदान कराए जाने की प्रेरणा यूरोपीय देश एस्टोनिया से ली थी। चूंकि अब ई-वोटिंग का सफल प्रयोग हो चुका है, इसलिए भविष्य में इसका उपयोग बढ़ेगा। जो गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग, विकलांग, असाध्य रोगों से ग्रसित और अपने मतदान स्थल से दूर रहने वाले लोग मतदान से वंचित रह जाते थे, उन्हें अब लोकतंत्र के इस महायज्ञ में भागीदार बनने की आसान सुविधा मिल जाएगी। समस्या का सामाधान बिना अतिरिक्त खर्च के हो जाएगा। चूंकि मतदान केंद्रों पर विभिन्न दलों का जमावड़ा नहीं होगा इसलिए निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान की संभावना बढ़ जाएगी। मतदान की निजता भी प्रभावित नहीं होगी। मतदान के प्रतिशत में आशातीत सुधार तो होगा ही जातीय और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की संभावनाएं भी न्यूनतम हो जाएंगी। ई-वोटिंग का काम पूर्वी चंपारण जिले की नगर पंचायत पकड़ी दयाल के अलावा पटना, बक्सर, रोहतास, सारण और बांका में सी-डैक और एसईआर के जरिए किया गया था। बिहार के उपचुनाव में मोबाइल एप से ई-वोटिंग की प्रक्रिया प्रमाणित हो चुकी है। ई-वोटिंग को इसलिए भी अपनाया जाए क्योंकि पोस्टल वोटिंग का वैधानिक प्रावधान पहले से ही है। मतदान संपन्न कराने में जुटे कर्मचारी अपना वोट पोस्टल वोटिंग के जरिए ही देते हैं। अब कोई राजनीतिक दल और नेता बहाना नहीं बना सकता है कि इंटरनेट या बिजली की सुविधा दुर्गम क्षेत्रों में नहीं है। बिजली भले ही प्रत्येक गांव में न हो, लेकिन सौर ऊर्जा से बिजली और मोबाइल टॉवर गांव-गांव पहुंच गए हैं। इनके जरिए इंटरनेट की सुविधा हासिल कराई जा रही है। सौर जैसी वैकल्पिक ऊर्जा दूरदराज के गांवों में बिजली उपलब्ध करा रही है। फिर भी किसी गांव में बिजली नहीं है तो वहां ईवीएम के जरिए मतदान कराया जाए। हालांकि मोबाइल से ई-वोटिंग को लेकर कुछ नेता संदेह जता रहे हैं। उनका कहना है कि मोबाइल एप पर पंजीकरण में कठिनाई आएगी। गांव के प्रभावीशाली लोग दबाव बना कर फर्जी मतदान भी करा सकते हैं। चुनाव विशेषज्ञों का मानना है कि 45 करोड़ लोग पलायन के चलते मतदान से वंचित हो जाते हैं। इस नजरिए से प्रवासियों के लिए ई-वोटिंग उपयोगी है। हालांकि चुनाव सुधार की दृष्टि से चुनाव आयोग ने घर से दूर रहने वाले अर्थात दूरस्थ मतदाताओं के लिए रिमोट वोटिंग सिस्टम (आरवीएस) तैयार किया है। इस मशीन की मदद से मूल मतदान स्थल से दूर दूसरे राज्य या शहर में रहने वाले मतदाता लोक सभा और विधानसभा चुनाव में मत का प्रयोग कर सकते हैं यानी मतदान के लिए उन्हें अपने मूल निवास स्थल पर आने की जरूरत नहीं रह गई हैं। आयोग द्वारा इसे लागू करने से पहले आने वाली कानूनी, प्रशासनिक और तकनीकी चुनौतियों पर राजनीतिक दलों के विचार भी आमंत्रित किए जाएंगे। चुनाव सुधार की दृष्टि से यह पहल अमल में आती है तो ऐतिहासिक होगी। नतीजतन, उन 45 करोड़ लोगों को वोट डालने का अवसर मिलेगा जो अपने घरों से दूर रहते हैं। अनेक चुनाव विशेषज्ञ इस प्रणाली को क्रांतिकारी पहल मान रहे हैं। बेशक, आरवीएम की परिकल्पना क्रांतिकारी है। आईआईटी, मद्रास की मदद से 'मल्टी कॉन्स्टीचुएंसी रिमोट ईवीएम' के रूप में ऐसा मतदान उपकरण तैयार किया गया है, जो एक रिमोट मतदान केंद्र से 72 निर्वाचन क्षेत्रों में प्रवासियों का मतदान कराने में सक्षम होगा। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आदर्श स्थिति यही है कि हरेक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करे। इस नाते 2005 में भाजपा के एक सांसद लोक सभा में 'अनिवार्य मतदान' संबंधी विधेयक लाए भी थे।

दुनिया की लाखों जिन्दगियां में जहर घोलता अकेलापन

ललित गर्ग

'हर छठा व्यक्ति अकेला है'-यह निष्कर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ताज़ा रिपोर्ट का है, जिसने पूरी दुनिया को चिन्ता में डाला है एवं सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर हम कैसी समाज-संरचना कर रहे हैं, जो इंसान को अकेला बना रही है। निश्चित ही बढ़ता अकेलापन कोई साधारण सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसा वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है, जो व्यक्तियों, समाजों, और व्यावसायिक संस्थानों को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवादहीनता की स्थितियों में नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। गौर करे तो इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां में महामारी के रूप में जहर घोल रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। वृद्ध तो पहले से ही सामाजिक एवं पारिवारिक विसंगतियों में उपेक्षित है। निश्चय ही जीवन की विसंगतियां एवं विषमताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है।

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की लगभग 16 प्रतिशत आबादी आज किसी न किसी रूप में अकेलेपन, सामाजिक अलगाव या भावनात्मक दूरी का शिकार है। यह स्थिति केवल वृद्धजनों तक सीमित नहीं रही, बल्कि युवाओं, कामकाजी पेशेवरों, और यहां तक कि बच्चों तक फैल चुकी है। डिजिटल युग में जहां सब कुछ 'कनेक्टेड' लगता है, वहीं इंसानी रिश्तों में एक अदृश्य दूरी, कृत्रिमता और आत्मीयता का अभाव देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में हम जितने अधिक जुड़े हैं, उतने ही भावनात्मक रूप से अकेले हो गए हैं। व्यक्तिवादी सोच, सामाजिक दुष्प्रभाव एवं रिश्तों की बिखरती दीवारों में अकेलेपन का घातक प्रभाव सामाजिक ढांचे पर गहरे रूप में पड़ रहा है। पारिवारिक संबंधों में दरारें, विवाहों में असंतोष, और तलाक की बढ़ती दरें इसकी साफ़ निशानी हैं। युवा पीढ़ी में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति और नशे की ओर झुकाव एक चिंताजनक ट्रेंड बन गया है। बुजुर्गों

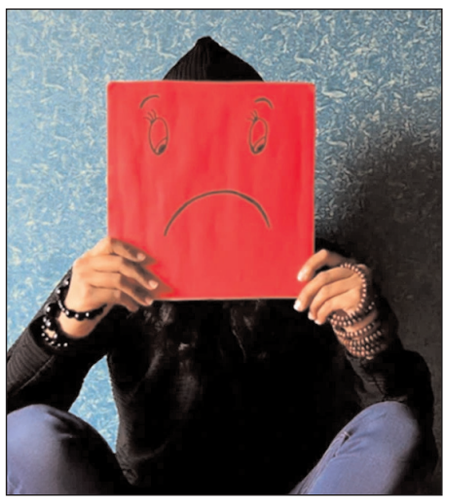

में अकेलेपन से उत्पन्न अल्ज़ाइमर, डिमेंशिया और अन्य मानसिक रोग तेजी से बढ़ रहे हैं।

अकेलापन केवल किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत कमजोरी नहीं है, बल्कि यह समाज की सामूहिक विफलता का संकेत है। जब हम तकनीक, दौड़ और स्वार्थ में इतने उलझ जाते हैं कि किसी के पास सुनने का समय नहीं रहता, तब अकेलापन जन्म लेता है। अब समय आ गया है कि हम फिर से रिश्तों, संवाद और करुणा की दुनिया की ओर लौटें। अन्यथा अकेलापन, उदासी और असंतुष्टि की भावनाएं कचोटती रहेगी। मानो खुद के होने का एहसास, कोई इच्छा ही ना बची हो। तब छोटी-छोटी चीजों में छिपी खूबसूरती नजर ही नहीं आती। ऐसा प्रतीत होता है कि बहुत से लोग जिंदा हैं, पर जीवित होने के जादुई एहसास को कम ही छू पाते हैं। सोच के भौतिकवादी एवं सुविधावादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठा पाने से कुंठा, हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन या अकेले होने की ओर धकेल देती है। निश्चित ही सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है, कृत्रिम है, दिखावटी है। हर कोई सोशल मीडिया मंचों पर हजारों मित्र होने का दावा करता है, लेकिन ये मित्र कितने संवेदनशील है? कितने करीब है? इन प्रश्नों का उत्तर नकारात्मक ही है, यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल अकेला एवं गुमशुम होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता, अकेलापन दूर नहीं कर सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने-बाने को मजबूत नहीं कर सकते।

विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। जिससे व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप एवं एकल परिवारों का बढ़ता प्रचलन भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल जाते थे। सब मिल-जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। लेकिन अब बुजुर्ग एकाकीपन एवं अकेलापन से जूझ रहे है। केरल में इसी तरह के वृद्ध-संकट को महसूस करते हुए वहां की सरकार ने वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है, जो एक सूझबूझभरा कदम है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित, अकेला एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को अकेलेपन को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल में अकेलापन एक त्रासदी न बन सके।

कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना एवं महंगी होती जीवनशैली ने अकेलापन के संकट को गहरा बनाया है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। व्यावसायिक क्षेत्रों में भी काम का बोझ इंसानों को अकेला बना रहा है। कार्यालयों और कार्यस्थलों पर भी अकेलापन एक गंभीर चुनौती बन रहा है। कर्मचारी भावनात्मक जुड़ाव की कमी के कारण कार्य में रुचि नहीं लेते। टीम वर्क, इनोवेशन और सहयोग पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। अकेलापन लंबे समय तक बना रहा तो यह बर्नआउट, कार्य से असंतोष और कर्मचारी त्यागपत्र जैसी स्थितियों को जन्म देता है। इससे उत्पादकता में भी गिरावट आती है। मेकिन्से और डेलॉइट जैसी वैश्विक कंसल्टिंग फर्म्स की रिपोर्टें दर्शाती हैं कि अकेलापन कर्मचारियों की उत्पादकता को 15-20 प्रतिशत तक घटा सकता है, जिससे कंपनियों को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है। अकेलेपन के इस संकट से निपटने के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक और संस्थागत स्तर पर सामूहिक प्रयास ज़रूरी हैं। परिवार, मित्रों और सहयोगियों के साथ समय बिताना ही असली 'समृद्धि' है। कंपनियों और संस्थानों में कर्मचारियों की मानसिक और भावनात्मक स्थिति को समझने वाला नेतृत्व चाहिए। डिजिटल संवाद की जगह आमने-सामने संवाद, 'वर्क फ्रॉम होम' की जगह 'वर्क विद कम्युनिटी' को प्राथमिकता देनी होगी। ऑफिसों और समाज में काउंसलिंग, समूह चर्चा, मेडिटेशन, और योग को प्रोत्साहन दिया जाए। सरकारों को अकेलेपन को एक जनस्वास्थ्य समस्या के रूप में मान्यता देनी चाहिए और सामाजिक समावेश के लिए ठोस कार्यक्रम चलाने चाहिए।

डब्ल्यूएचओ का वह आंकड़ा भी चौंकाता है कि अकेलापन हर साल तकरीबन आठ लाख लोगों की जीवन लीला समाप्त कर रहा है। जो यह दर्शाता है कि व्यक्ति न केवल समाज व अपने कार्यालयी परिवेश से अलग-थलग हुआ है, बल्कि वह परिवार से भी कटा है। पिछले दिनों देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने कार्यालयों में काम के घंटे बढ़ाने का आग्रह किया था। एक उद्यमी ने तो यहां तक कहा कि क्या जरूरी है कि घर में रहकर पत्नी का ही चेहरा देखा जाए। यह एक संवेदनहीन एवं बेहूदा प्रतिक्रिया थी। दरअसल, लोगों में यह आम धारणा बलवती हुई है कि जिसके पास पैसा है तो वह सबकुछ कर सकता है। जिसके चलते उसने आस-पड़ोस से लेकर कार्यस्थल पर सीमित पहुंच बनायी है। यही वजह है कि हमारे इर्द-गिर्द की भीड़ और ऑनलाइन जिंदगी के हजारों मित्रों के बावजूद व्यक्ति अकेलेपन को जीने के लिये अभिशप्त है। सही बात ये है कि लोग किसी के कष्ट और मन की पीड़ा के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करते।

अनपेक्षित कतई नहीं मतदाता सूची पुनरीक्षण

अवधेश कुमार

बिहार में विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण या इंटेंसिव रिवीजन का इलेक्टरल रोल जिस तरह विरोध और हंगामा का विषय बना है वह अनपेक्षित कतई नहीं है।

कांग्रेस पार्टी और अनेक भाजपा विरोधी दल, एक्टिविस्ट, पत्रकार, एनजीओ आदि काफी समय से चुनाव आयोग विरोधी तीखा अभियान चला रहे हैं। राहुल गांधी तो पुनरीक्षण आरंभ होने के पहले से ही आरोप लगा रहे हैं कि हेर-फेर कर भाजपा को जिताने का काम चुनाव आयोग करेगा। विरोधी बार-बार आयोग के विरु द्ध उच्चतम न्यायालय जाते और निराश वापस आते हैं।

उच्चतम न्यायालय ने इस बार भी पुनरीक्षण प्रक्रिया रोकने की उनकी अपील खारिज कर दिया। हालांकि आगे वह सुनवाई के लिए सहमत हुआ है। सुनवाई के एक दिन पहले इंडिया गठबंधन की ओर से राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बिहार की राजधानी पटना में चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च किया गया। चुनाव आयोग का विज्ञापन कहता है कि गणना प्रपत्र भरने की अवधि 25 जून से 26 जुलाई है और मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन 1 अगस्त , 2025 को होगा। दावे और आपत्तियों की अवधि 1 अगस्त से 1 सितम्बर, 2025 है और अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 30 सितम्बर, 2025 को किया जाएगा। इसका अर्थ हुआ कि किसी का नाम छूट गया तो दावा करने के लिए एक महीने का समय है।

तो बिना देखे कि किसका नाम जुड़ा, नहीं जुड़ा इस तरह के विरोध का औचित्य क्या है? आयोग पर पहला आरोप है कि वह इतनी जल्दी बड़े प्रदेश के मतदाताओं की सूची कैसे बना लेगा? जब 2002 में मतदाता सूची का बिहार में पुनरीक्षण हुआ था तब 15 जुलाई से 14 अगस्त यानी वर्तमान के अनुसार ही 31 दिन का समय था। क्या 22- 23 वर्ष के बाद मतदाता सूची की गहनता से जांच-परख नहीं होनी चाहिए? अगर चुनाव आयोग ने इसके लिए आवश्यक जनसंपर्क और आधार कार्य नहीं किया तो आलोचना होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा है कि पिछले 4 महीने में प्रत्येक विधानसभा, जिला में सर्वदलीय बैठक की गई और लगभग 5 हजार ऐसी बैठकों में 28 हजार लोगों ने भाग लिया।

आयोग ने लगभग 80 हजार बीएलओ या बूथ लेवल ऑफिसर नियुक्त किए हैं जो मतदाताओं के घर पहुंच रहे हैं। राजनीतिक दलों ने भी 1.54 लाख बूथ लेवल एजेंट बनाए हैं। भारी संख्या में स्वयंसेवक भी सक्रिय हैं। कुल 16 करोड़ इन्यूमरेशन फॉर्म प्रकाशित किए गए। एक फॉर्म रिसिप्ट के रूप में मतदाता के पास रहेगा और दूसरा बीएलओ रखेंगे। ऑनलाइन पोर्टल पर भी फॉर्म जमा करने की व्यवस्था है। इसलिए यह नहीं कह सकते कि ड्राइव बिल्कुल अव्यावहारिक है। पहचान सुनिश्चित करने पर चुनाव आयोग के जोर का सबसे तीखा विरोध हो रहा है। पहले कुछ तथ्य पर बात करें। 1 जनवरी, 2003 की सूची में मतदाताओं की संख्या 4 करोड़ 96 लाख थी। वर्तमान में यह संख्या 7 करोड़ 89 लाख है। तो लगभग 2 करोड़ 93 लाख मतदाताओं को ही पहचान सुनिश्चित करनी होगी। जिन मतदाताओं के नाम 2003 में है उसके अलावा जिनका नाम आया उनको ही जन्मतिथि, जन्म स्थान आदि साबित करने वाले दस्तावेज देने होंगे।

उनमें भी माता-पिता का नाम 2003 मतदाता सूची में है तो माता-पिता की पहचान साबित करने के लिए दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं। केवल 2003 वाली मतदाता सूची के उस हिस्से की कॉपी बीएलओ को देनी होगी जिसमें उनके माता-पिता का नाम लिखा है। जिनके नाम 2003 में हैं उन्हें केवल उसकी फोटो कॉपी बीएलओ को फॉर्म जमा करते समय देनी है जिसमें उनका नाम है। क्या 2003 की मतदाता सूची में नाम न होने वाले के पास अगर जन्मतिथि तथा जन्म स्थान साबित करने के प्रमाण नहीं हो तो नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं होगा?

इसकी आशंका है। पर आयोग का कहना है कि दस्तावेजविहीन व्यक्ति की भारतीय पहचान को सुनिश्चित करने का काम क्षेत्र के एसडीम करेंगे और उनके कागजात का पता लगाने के लिए वालंटियर नियुक्त किए गए हैं। बिहार में चुनाव आयोग ने यह डरावनी जानकारी दी है कि पुनरीक्षण में ऐसे विदेशी नागरिक मिले जो मतदाता बन चुके हैं। उनकी जानकारी गृह मंत्रालय को दी जा रही है और नागरिकता सुनिश्चित होने के बाद ही तय होगा कि वे मतदाता रहेंगे या नहीं। राजनीतिक दलों ने इस पर भी तूफान खड़ा कर दिया। निस्संदेह, आधार कार्ड या राशन कार्ड बनवाना आसान नहीं होता। इसलिए चिंता का विषय है कि यह हमारी नागरिकता का प्रमाण पत्र नहीं है। बिहार के भारी मुसलमान जनसंख्या वाले चार सीमांचल जिलों में आधार कार्ड के आंकड़े हैरत में डालते हैं।

बिहार में औसत आधार कार्ड आबादी के 94 फीसद है। किशनगंज में 68 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है और आधार सैचुरेशन 126 प्रतिशत है, कटिहार (44ब्ल) में 123ब्ल, अररिया (43ब्ल) में 123ब्ल, और पूर्णिया (38ब्ल) में 121ब्ल आधार सैचुरेशन है। आबादी से अधिक आधार कार्ड कैसे बने हुए हैं? पिछले वर्ष अररिया में एक बंगलादेशी घुसपैठियों पकड़ा गया जिसके पास पश्चिम बंगाल के 24 परगना से बना आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र था। बांग्लादेशी घुसपैठियों की लड़ाई केवल असम और बंगाल में नहीं बिहार के इन सीमांचल जिलों में भी रही है। क्या विरोधियों के दबाव में उन सबकी जांच नहीं होनी चाहिए?

अंतिम एकादश चुनने में गलती तो नहीं कर रहा भारत

आदर्श प्रकाश सिंह

भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरा कई विवादों व चर्चाओं को जन्म दे रहा है। पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत की टीम 2-1 से पिछड़ गई है। बाकी के दो टेस्ट मैच में क्या अपनी टीम वापसी कर पाएगी, यह एक बड़ा सवाल है। सोशल मीडिया पर कई वीडियो शेयर किए जा रहे हैं। कोई कुछ कह रहा है तो कोई कुछ। हेड कोच गौतम गंभीर भी निशाने पर हैं। कहा जा रहा है कि उनकी वजह से ही रोहित शर्मा और विराट कोहली को जल्द संन्यास लेने का ऐलान करना पड़ा। यदि ये दोनों टीम में होते तो इंग्लैंड दौरे में हमारी दशा कुछ बेहतर होती। रोहित तो नहीं लेकिन विराट की कमी वास्तव में महसूस की जा रही है। मैदान पर उनका आक्रामक अंदाज विरोधी टीम के हौसले पस्त करने के लिए काफी होता है। खैर, अब जब वह टीम में नहीं है तो इस बात को यहीं विराम देते हुए अन्य बातों पर चर्चा करते हैं।

कप्तान शुभमन गिल ने दूसरे टेस्ट में जबर्दस्त बल्लेबाजी करके सबका दिल जीत लिया। एजबेस्टन का यह टेस्ट भारत 336 रनों से जीत भी गया। जीतने के बाद टीम की कई कमियां छुप जाती हैं। मुख्य गेदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना भारत ने इंग्लैंड को इतने बड़े अंतर से पराजित कर दिया। संयोग देखिए कि बुमराह अभी तक जिन दो टेस्ट मैचों में खेले उसमें भारत हार गया। लार्ड्स टेस्ट में पराजय के बाद भारतीय टीम की खूब आलोचना हो रही है। दरअसल, यह मैच भारत को जीतना चाहिए था। 193 का लक्ष्य बहुत मुश्किल नहीं था लेकिन हमारे बल्लेबाजों ने मानसिक दृढ़ता नहीं दिखाई। यह कमजोरी बहुत भारी पड़ी। विदेशी दौरों में भारत ने पहले भी बहुत कम अंतर से मैच गंवाए हैं। चौथे दिन

शुरुआत खराब रही। चार विकेट गिरने से टीम इंडिया गहरे दबाव में आ गई। इससे उबरने का कोई तरीका उनके पास नहीं था। कप्तान गिल का खुद सस्ते में आउट हो जाना आत्मघाती साबित हुआ।

ऐसे मौके पर मैच के अंतिम दिन रवींद्र जडेजा ने साहसिक पारी खेली लेकिन उनकी कोशिश नाकाम रही। 22 रन से मैच हारने पर सभी को पीड़ा हुई। जडेजा का साथ देने के लिए पुछल्ले बल्लेबाज बुमराह और सिराज बचे थे। इन्होंने भरसक प्रयास भी किया, मगर जीत इंग्लैंड के नाम लिखी थी। इसीलिए इस खेल में भाग्य का बड़ा योगदान माना जाता है। किस्मत ने भारत का साथ नहीं दिया। वर्ना भारत 2-1 से आगे होता। हमारी टीम अंग्रेजों को कड़ी टक्कर तो दे रही है, पर नतीजा अपने पक्ष में नहीं कर पा रही है। इंग्लैंड टीम अपनी धरती पर खेल रही है। इसका लाभ उसे मिल रहा है।

एक सवाल यह भी उठ रहा है कि अंतिम एकादश चुनने में कहीं भारत से गलती तो नहीं हो रही है? बल्लेबाजी मजबूत करने के चक्कर में हम एक विशेषज्ञ गेंदबाज को बाहर बैठाए हुए हैं। मैं कुलदीप यादव की बात कर रहा हूं। कुलदीप का हालिया प्रदर्शन काफी बढ़िया रहा है। इंग्लैंड दौरे के लिए उनका चयन भी इसी वजह से हुआ। मगर, अंतिम एकादश में उनके लिए जगह नहीं बन रही। स्पिन गेंदबाज के तौर पर जडेजा और यहां तक कि वाशिंगटन सुंदर को उन पर तरजीह दी गई। जबकि हम देख रहे हैं कि जडेजा विकेट लेने में असफल साबित हो रहे हैं। वह बल्लेबाजी के दम पर टीम में बने हुए हैं। कुलदीप एक विशेषज्ञ स्पिनर है। इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में कुलदीप कारगर साबित होते। 2021 के इंग्लैंड दौरे में भी हमने अपने मुख्य स्पिन गेंदबाज अश्विन को बाहर बैठाए रखा। उन्हें किसी भी मैच में नहीं उतारा गया। यही हाल अब कुलदीप यादव के साथ हो रहा है। लगता है, वह बिना कोई मैच खेले स्वदेश लौट आएंगे।

करूण नायर को लेकर खूब चर्चा हो रही है। अब तक की छह पारियों में उनका प्रदर्शन दमदार नहीं रहा है। उनके बल्ले से कोई अर्धशतक नहीं निकला। आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी करने के बाद देश ने नायर से बहुत उम्मीद लगाई थी। पर, वह इस पर खरे नहीं उतरे हैं। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आने वाले को ठोस पारी खेल कर टीम को मजबूती देनी चाहिए। नायर को अब और मौका दिया जाए या उनकी जगह युवा साई सुदर्शन को लाया जाए? यह सवाल हवा में तैर रहा है। कप्तान और कोच को इस पर मंथन करना होगा। इस बीच चोटिल खिलाड़ियों की सूची में आकाशदीप और अर्शदीप के नाम भी शामिल हो गए हैं। ऋषभ पंत पहले ही चोटिल हैं। बुमराह के वर्कलोड को लेकर समस्या बरकरार है। वह कौन सा एक और टेस्ट खेलेंगे, इस पर संशय बना हुआ है। यह दौरा भारत के लिए नई टीम खड़ी करने के लिहाज से अहम है। नए कप्तान के हाथों में नई जिम्मेदारी है। हाथ आए मौके भुनाने होंगे तभी हम अंग्रेज टीम को परास्त कर पाएंगे। पहले टेस्ट में भारतीयों ने अनेक कैच छोड़े। यह लापरवाही टीम पर भारी पड़ रही है। क्रिकेट का खेल मैदान के अलावा मन से भी खेला जाता है। टीम इंडिया को दिलेरी दिखाने की जरूरत है। एजबेस्टन में जो करके दिखाया उस जज्बे को बरकरार रखिए। सीरीज में वापसी करने का मौका है। जीते या हारें पर, जान लड़ा कर खेलिए। आप इतिहास रचेंगे तो देश वाहवाही अवश्य करेगा।

एक दतैल हाथी के बाहर निकलने की सूचना से क्षेत्र में दहशत

महासमुंद (समय दर्शन)। महासमुंद जिला मे एक बार फिर एक दतैल हाथी के आ धमकने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। लहंगर, परसाडीह, गुडरुडीह, कुकराडीह, सहित आसपास के सभी गांवों को हाई अलर्ट पर रखा है लहंगर, गुडरुडीह, कुकराडीह, मालिडीह, बांसकुड़ा, बिरबीरा, पिरदा सहित आसपास के सभी गांवों को हाई अलर्ट पर रखा है

लहंगर, मोहकम, पिंढी, परसाडीह, गुडरुडीह, कुकराडीह, मालिडीह, बांसकुड़ा, बिरबीरा, पिरदा सहित आसपास के सभी गांवों को हाई अलर्ट पर रखा हैग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील, ह॥-53 पार करने कीआशंका जताया जा रही है।

सुबह वन परिक्षेत्र (क्ष्क्स्ध1) से एक दतैल हाथी के बाहर निकलने की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। यह हाथी कक्ष क्रमांक 26 से निकलकर खड़सा से फुसेराडीह रोड पार करते हुए वन विकास निगम कक्ष क्रमांक 809 व 810 से होकर लहंगर की ओर बढ़ रहा है।

वन विभाग ने हाथी की संभावित गतिविधियों को देखते हुए ग्राम खड़सा, लहंगर, मोहकम, पिंढी, परसाडीह, गुडरुडीह, कुकराडीह, मालिडीह, बांसकुड़ा, बिरबीरा, पिरदा सहित आसपास के सभी गांवों को हाई अलर्ट पर रखा है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे रात्रि में घरों से बाहर न निकलें और पूरी सतर्कता बरतें।

वन अधिकारियों के अनुसार, हाथी आज रात तक रायपुर से सरायपाली की ओर जाने वाले ह॥-53 मार्ग को भी पार कर सकता है, जिससे खतरा और बढ़ सकता है।

इस संभावना को देखते हुए कोडार, कौवाझर, बंजारी, लोहारडीह, घोघीबहरा, बनसिवनी, सोरिद, गौरखेडा, दलदली, उमरदा, अरणड, मुडमार, पतेरापाली, सिरगिडी, झालखमरिया, बोरियाझर, केशव, खट्टी, कोना, बकमा, जीवतरा, धनसुली जैसे गांवों को भी अलर्ट किया गया है।

वन विभाग की टीमें लगातार हाथी की निगरानी कर रही हैं और ग्रामीणों को सूचित करने के लिए ग्राम स्तर पर संपर्क बनाए हुए हैं।

बीते कुछ वर्षों से जिले मे हाथियों की पहलकदमी बढ़ गया है।

वन विभाग की लचर रणनीति से अनेक ग्रामीणों को हाथियों ने कुचला है।

गांजा से लदी कार ने बाइक सवार को मारी ठोकर, बाइक सवार की मौत

- कार चालक कार छोड़कर हुआ फरार
- कार से 28 लाख रुपये के 189 किलो गांजा जब्त

महासमुन्द (समय दर्शन)। उड़ीसा से गांजा लेकर महासमुंद की ओर आ रही कार क्रमांक ह्नक्र 07 ँ 0093 राष्ट्रीय राजमार्ग 353 पर हाड़ाबंद के पास एक बाइक सवार को सामने से टक्कर मार दी ।

बाइक सवार तीन लोगो मे से खुमान पटेल 50 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गयी और गुमान पटेल एवं तुलसी बाई घायल हो गये जिन्हे 112 की मदद से जिला अस्पताल भेजा गया । कार चालक मौके का फायदा उठाकर कार छोड़ वहां से फरार हो गया । सूचना पर पहुंची खल्लारी पुलिस ने कार की डिग्गी में रखे 37 पैकेट गांजा जब्तकर वजन किया तो गांजे का कुल वजन 189.950 किलो हुआ, जिसकी कीमत 28 लाख 49 हजार 250 रुपये आंकी गयी । खल्लारी पुलिस ने कार चालक पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच में जुटी गयी है। वहीं दुर्घटना को लेकर पुलिस मर्ग कायम कर आगे की कार्यवाही कर रही है।

बाबू बिसाहू दास महंत जी के बताएं जन सेवा के मार्ग पर अनवरत चल रहा हूं... डॉ चरण दास महंत

- 47 वे पुण्यतिथि में श्रद्धांजलि सभा , फल वितरण , स्वास्थ्य शिविर वस्त्र वितरण का हुआ आयोजन

सक्ती (समय दर्शन)। स्वर्गीय बिसाहू दास महंत के 47 वे पुण्यतिथि के अवसर पर प्रति वर्ष की भांति अधिवक्ता राकेश महंत के संयोजकत्त्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मातृ शिशु अस्पताल शक्ति में श्रद्धांजलि एवं फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें क्षेत्रीय विधायक एवं नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर चरण दास महंत एवं बालेश्वर साहू विधायक जय जयपुर विधानसभा क्षेत्र ने दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर स्वर्गीय बिसाहू दास महंत को श्रद्धा सुमन अर्पित किया । इस अवसर पर डॉ चरण दास महंत ने स्वर्गीय बिसाहू दास महंत के सेवा के संकल्प एवं जन सेवा के परंपरा को उनके बताए मार्ग पर चलकर अनवरत जारी रखने की बात किया ।इस अवसर पर मरीजों को डॉक्टर चरण दास महंत ने फल बिस्किट वितरित किया तथा जरूरत मंद महिलाओं को वस्त्र वितरण किया । कचहरी परिसर शक्ति में सुबह 11:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक स्वास्थ्य जांच एवं दवा वितरण शिविर आयोजित किया गया जिसका शुभारंभ अधिवक्ता संघ शक्ति के पूर्व अध्यक्ष संदीप बनाफर एवं लीलाधर चंद्रा तथा अधिवक्ता संघ के सचिव सूरित चंद्रा ने स्वर्गीय बिसाहू दास महंत के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर किया ।श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए अधिवक्ता संदीप बनाफर ने स्वर्गीय बिसाहू दास महंत को महान व्यक्तित्व के धनी तथा सच्चा गांधीवादी जनसेवक बताया। इस अवसर पर उपस्थित अधिवक्ताओं, नागरिकों, ग्रामीणों द्वारा स्वर्गीय बिसाहू दास महंत जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का पुण्य स्मरण किया गया तथा उपस्थित जनों द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक अधिवक्ता राकेश महंत ने श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए स्वर्गीय बिसाहू दास महंत को छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के स्वप्न दृष्टा, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, शिक्षाविद, सच्चे गांधीवादी जनसेवक ,गरीबों के मसीहा ,हसदेव बांगो बांध परियोजना के पैरोकार, निस्वार्थ भाव से जनसेवा के काम करने वाले सच्चा नेता बताया । स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ो लोगों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया तथा आवश्यकता अनुसार दवा प्राप्त किया । उक्त कार्यक्रम में पूर्व मंत्री नोबेल वर्मा जिला विधायक प्रतिनिधि ठाकुर गुलजार सिंह नरेश गेवा डीन महिला जिला कांग्रेस कमेटी शक्ति के अध्यक्ष श्रीमती मेनका जय सवाल टीकाराम कुर्रे अलका जयसवाल अनीता महंत रामू हेमू सोनी तेज नारायण धीरहे रनसाय बरेठ रविंद्र राठौर संतराम उरांव बाबूलाल उरांव भुवनेश्वर चंद्रा छोटू दास महंत ताम्रध्वज चंद्रा गेंद् राम खूटे संजय कोसले नरेंद्र धीरहे सीएमएचओ पूजा अग्रवाल बीएमओ शक्ति डॉक्टर सूरज सिंह डॉक्टर कात्यानी सिंह विनोद राठौड़ रामगोपाल थवाईत जिला अधिवक्ता संघ शक्ति के सचिव सुरित चंद्रा उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष दिगंबर चौबे ऋषिकेश चौबे चितरंजन पटेल संतोष जायसवाल महेश अग्रवाल मनोज अग्रवाल रामकृष्ण देवांगन घनश्याम देवांगन मनोज जायसवाल पवन शर्मा पीयूष राय गिरधर जायसवाल कृष्ण कुमार देवांगन प्यारेलाल पटेल जगत शर्मा अश्वनी राठौर कृष्ण कुमार देवांगन कमल साहू कृष्णा साहू महेश पटेल गजाधर साहू ईश्वर देवांगन धर्मेंद्र सोन दादू चंद्रा , दुर्गा साहू भीम देवांगन हुलास चौहान प्रदीप गबेल युवा नेता दिनेश बरेठ , क्लेश पटेल निर्मल दास महंत कमल दास महंत बुधवार दास महंत कुंदन देवांगन अजीत क्षत्रीय अलीम खान अलीम साहू लाल बहादुर खंडेलवाल दया दास महंत सहित अन्य अधिवक्ता गण पत्रकारगण नागरिक गण ग्रामीण जन उपस्थित थे ।

शासकीय प्राथमिक शाला अकोला में परंपरा, पर्यावरण और नेतृत्व के संग मनाया गया हरेली पर्व

बेमेतरा (समय दर्शन)/- छत्तीसगढ़ी संस्कृति के प्रथम त्यौहार हरेली का पर्व साजा विकासखंड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला अकोला में बड़े ही धूमधाम, उत्साह एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। पूरे विद्यालय परिसर को हरियाली से सजाया गया और छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण हरे रंग की पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधान पाठिका श्रीमती हिम कल्याणी सिन्हा द्वारा हरेली पर्व के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को बताते हुए कहा कि हरेली हमारे छत्तीसगढ़ का पहला त्योहार है, जो कृषि, पर्यावरण, परंपरा और समृद्धि का प्रतीक है। सावन मास की अमावस्या को यह पर्व वर्षा ऋतु के आगमन और नई फसल के स्वागत में मनाया जाता है। यह त्योहार किसान और प्रकृति के बीच आत्मीय संबंध को दर्शाता है।
इस अवसर पर किसानों द्वारा उपयोग में लाए जाने वाले पारंपरिक कृषि औजारों जैसे नागर, कुदाली, रापा, हसिया, टंगिया आदि की पूजा की गई। बच्चों ने भी गेड़ी चढ़कर छत्तीसगढ़ी पारंपरा का जीवंत प्रदर्शन किया। हरेली को गेड़ी त्यौहार भी कहा जाता है क्योंकि इस दिन बच्चे गेड़ी पर चढ़कर उत्सव का आनंद उठाते हैं। शिक्षिका श्रीमती हेमलता ठाकुर ने बच्चों को नीम वृक्ष के औषधीय गुणों की जानकारी दी और पर्यावरण की रक्षा में वृक्षों की भूमिका को सरल भाषा में समझाया। इस अवसर पर बच्चों ने तुलसी, नीम, नींबू सहित कई उपयोगी पौधों का रोपण कर हरियाली को बढ़ावा दिया। बच्चों ने छत्तीसगढ़ी हरेली गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं, जिससे गांव की मिट्टी की सोंधी खुशबू पूरे वातावरण में फैल गई। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को जलेबी वितरित कर पारंपरिक मिठास के साथ पर्व को पूर्णता प्रदान की गई।
बाल संसद का गठन: नेतृत्व विकास की ओर एक कदम- इस अवसर पर विद्यालय में बाल संसद का गठन भी किया गया, जिसमें बच्चों को विभिन्न जिम्मेदारियों का दायित्व सौंपा गया। बच्चों ने गुलाल लगाकर नवगठित बाल संसद के पदाधिकारियों का स्वागत किया और नेतृत्व, जिम्मेदारी और अनुशासन के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। हरेली पर्व के माध्यम से शासकीय प्राथमिक शाला अकोला ने न सिर्फ संस्कृति और परंपरा को जीवंत किया।

महिला से डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर साढ़े 5 लाख की ठगी

बसना (समय दर्शन)। बसना थाना अंतर्गत ग्राम जगदीशपुर की एक महिला को डिजिटल अरेस्ट कर साढ़े पांच लाख की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है।

मामले की रिपोर्ट के बाद बसना पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी है। बसना थाना प्रभारी नरेन्द्र राठौर ने बताया कि प्रार्थिया जिबिया पिता इफ्रैम (26 साल) 80 एमआई मरूतम न्यू हाउसिंग यूनिट थाना तंजावुर जिला तंजावुर तमिलनाडू हाल निवास सेवा भवन हास्पिटल जगदीशपुर ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसके मोबाइल पर कुछ व्यक्तियों ने खुद को टेलिकाम डिपार्टमेंट मुंबई व मुंबई क्राइम ब्रांच का पुलिस होना बताकर कॉल किया और कहा कि आपके मोबाईल नंबर की गतिविधि संदिग्ध है। जिससे आपका मोबाइल नंबर दो घंटे में बंद हो जाएगा।

आरोपियों ने कहा कि पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिक्रेट के लिये वीडियो काल से स्टेटमेंट देना होगा। इसके बाद वाट्सअप में मैसेज आया। जिसमें बातचीत हुआ और स्टेटमेंट लिया और कहा कि पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिक्रेट आपको पोस्ट के माध्यम से भेज देंगे कहकर उस व्यक्ति ने पता मांगा। फिर उस व्यक्ति ने बोला कि आपका आधार नंबर केनरा बैंक मुंबई के एक खाता से जुडा हुआ है। उक्त खाता मनीलांड्रिंग केस से संबंधित है। जिसकी जांच हो रही है।

उसके बाद किसी अन्य व्यक्ति ने अपना नाम निरीक्षक प्रदीप सावंत बताते हुए कहा कि इस केस की जांच मैं कर रहा हूं आपके विरूद्ध 03 प्रमाण है। उसके बाद उसने प्रार्थी की मां कविता को भी बुलाने के लिये बोला व दोनों से लगातार प्रश्न करता रहा व कहा कि आपके विरूद्ध गिरफ्तारी वारंट निकलेगा। जिससे प्रार्थिया डरकर उसकी बातों में आ गई। इसी दौरान उसने खाता नंबर व मेरे खाते में कितना पैसा है यह पूछ लिया।

उसने किसी नरेश गोयल का नाम लिया व बताया कि वह मनीलांड्रिंग केस में आरोपी है। जिसके खाता का पैसा आपके खाता में आ गया है।

तत्पश्चात 15 जुलाई 2025 को फिर उनसे बात हुई। उस दौरान उसने कहा कि नरेश गोयल का पैसा आपके बैंक अकाउंट में आया है जिसको क्लियर करना है ।आपको फंड वेरिफिकेशन के लिये आपके अकाउंट का पैसा दूसरे खाते में भेजना पड़ेगा। जिसे क्लीयर कर हम लोग 48 घंटे के अंदर आपके बैंक अकाउंट में वापस भेज देंगे,। इसके बाद प्रार्थिया ने उनकी बातों में आकर बसना आकर एचडीएफसी बैंक के अपने खाते से आरटीजीएस के माध्यम 3,50,000 रुपए भेजा। फिर 16 जुलाई को 2,00,000 रुपए आरटीजीएस के माध्यम से भेजा। इस पर आरोपी ने कहा कि आपका वेरिफिकेशन हो गया है। कल सुबह तब आपको आपका पैसा आपके खाते में वापस कर दिया जाएगा। लेकिन 17 जुलाई को खाते में पैसा वापस नहीं आया। तब शंका हुई कि उसके साथ सायबर फ्रॉड हो गया है। मामले में शिकायत पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 318(4), 3(5)बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है।

हरेली पर होगा ग्राम पंचायत में सांकरा में विविध आयोजन

पाटन। ग्राम पंचायत सांकरा में 24 जुलाई को हरेली तिहार जाएगा। सरपंच रवि सिंगौर ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम, पारंपरिक खेल, गेड़ी दौड़ फुगड़ी कुर्सी दौड़ सहित खेलो का होगा आयोजन किया जाएगा।

सरला के नेतृत्व में राज्य महिला आयोग की सदस्यों ने की मुख्यमंत्री साय से सौजन्य भेंट

- सरायपाली क्षेत्र के विकास के लिए कई मुद्दों पर हुई सार्थक चर्चा

महासमुन्द (समय दर्शन)। राज्य महिला आयोग की सदस्यों ने आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुख्यमंत्री निवास में सौजन्य मुलाकात की।

इस दौरान आयोग की सदस्य सरला कोसरिया के नेतृत्व में आयोग की सदस्य लक्ष्मी वर्मा, ओजस्वी मंडावी एवं दीपिका शोरी उपस्थित रहीं। यह भेंट सौहार्दपूर्ण और आत्मीय वातावरण में संपन्न हुई।

चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री साय ने आयोग के कार्यों की सराहना करते हुए राज्य में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि महिला आयोग का कार्य प्रशासन और शासन के लिए एक मजबूत मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री साय की सहजता और संवेदनशीलता की एक बार फिर झलक देखने को मिली जब उन्होंने सरायपाली क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों को गंभीरता से सुना और तत्काल संबंधित अधिकारियों को समाधान हेतु निर्देशित किया।

सरायपाली क्षेत्र में महिला कल्याण, बालिका शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और रोजगार से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

महिला आयोग की सदस्यों ने भी राज्य सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और बताया कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में महिलाओं को न्याय दिलाने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए आयोग सतत रूप से कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री से भेंट के उपरांत आयोग की सदस्यों ने बताया कि साय पूर्व की भांति आज भी उतनी ही सरलता और सहजता के साथ जनसमस्याएं सुनते हैं और यथासंभव त्वरित निराकरण करते हैं। उनका नेतृत्व राज्य के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

यह भेंट महिला सशक्तिकरण और प्रशासनिक सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखी जा रही है।

संक्षिप्त-खबर

सभी स्कूली बच्चों के नाम खाता खोला जा रहा है

बसना (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में शासकीय स्कूलों में भरती की प्रक्रिया शुरू हो गई है। साथ ही साथ पढ़ाई भी शुरू हो गई है, जिसमें सभी छात्रों को बैंक से खाता खुलवाना भी अनिवार्य रूप से सरकार के द्वारा निर्देश जारी किया गया है। इसको लेकर आज राजू लोक सेवा केंद्र एवं दीपक स्टूडियो सागरपाली के संयुक्त तत्वाधान में बसना ब्लॉक के अंतर्गत बूटी पाली में मिडिल स्कूल के बच्चों का नि:शुल्क स्टेट बैंक के द्वारा खाता खोला गया। खाता खोलने से स्कूली बच्चों की चेहरे में मुस्कान देखने को मिली। मिडिल स्कूल बूटीपाली के शिक्षकों ने भी स्टेट बैंक के कर्मचारियों का साधुवाद किया है। बच्चों को सुविधा प्रदान करते हुए बैंक द्वारा स्कूल पहुँचकर सभी बच्चों का नि:शुल्क खाता खोले साथ ही साथ बच्चों को प्रोत्साहन भी किया।

ग्राम पंचायत जमराव में पौधारोपण एवं सोखता गड्ढा निर्माण कार्यक्रम आयोजित

जमराव। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पूर्ण हो चुके आवासों में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु ग्राम पंचायत जमराव में बुधवार को पौधारोपण एवं सोखता गड्ढा निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती जागेश्वरी भेष कुमार सोनकर, उपसरपंच श्री लेखराज निषाद, पंचायत सचिव श्री विष्णु बंजारे, रोजगार सहायक श्रीमती गुनेश्वरी सोनवानी, पंच श्री कैलाश सोनकर, श्री गैंद लाल नन्हारे, राजबती यादव ,श्री भीम साहू, श्री देवाशीष सोनकर, पंचगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए गए आवासों के परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके साथ ही, स्वच्छता को बढ़ावा देने हेतु प्रत्येक आवास में सोखता गड्ढा निर्माण कर उपयोगिता की जानकारी दी गई। सरपंच श्रीमती जागेश्वरी सोनकर ने कहा कि ग्राम पंचायत स्वच्छता, हरियाली और जल संरक्षण के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रही है ताकि गांव स्वच्छ एवं सुंदर बने। उन्होंने सभी ग्रामीणों से पौधों की देखभाल करने और स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया

ग्रामीणों के साथ जनप्रतिनिधियों ने लिए पर्यावरण और जल संरक्षण का संकल्प, नवागांव बी में हुआ जनपद स्तरीय आयोजन

पाटन। जनपद पंचायत पाटन के ग्राम पंचायत नवागांव बी में आज जनपद पंचायत स्तरीय एक पेड़ मां के नाम एवं एक सप्ताह संतान के नाम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर जल संरक्षण के लिए भी कार्य किया गया। जनपद स्तरीय इस आयोजन में मुख्य रूप से जिला पंचायत सदस्य कल्पना साहू, जनपद पंचायत पाटन के अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक, उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, जनपद पंचायत पाटन के सदस्य खेमलाल देशलहरे मौजूद रहे। सबसे पहले ग्राम के सरपंच कविता साहू एवं पंचों ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया। इसके पश्चात एक पेड़ मां के नाम सभी अतिथियों एवं ग्रामीणों ने लगाया। इसके उपरांत जल संरक्षण के लिए भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया। साथ ही साथ जल संरक्षण का संकल्प भी दिलाया गया। वहीं शासन के निर्देश के अनुसार एक सोखता संतान के नाम भी कार्यक्रम में शामिल था। जिसके तहत गांव में सभी ग्रामीणों को जल का संचय करने के लिए सोखता निर्माण के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जनपद सदस्य खेमलाल देशलहरे, नारद साहू, सरपंच कविता साहू, अमित अग्रवाल, रमाकांत साहू, पूर्व सरपंच सोम सिंह साहू, गजेंद्र साहू, महेश साहू, दिलीप ठाकुर, उपसरपंच छगन साहू सहित अन्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

क्रेशर संचालकों को परिवहन के दौरान खनिज और आरटीओ नियम का पालन करने के निर्देश, खनिज विभाग ने ली क्रेशर संचालकों की बैठक

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन) कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के स्वीकृत उत्खनिपट्टा, भण्डारण (क्रशर) संचालकों के साथ बैठक किया गया, जिसमें खदान एवं भण्डारण (क्रशर) क्षेत्र में छत्तीसगढ़ गौण खनिज 2015 एवं छत्तीसगढ़ खनिज (खनन, परिवहन एवं भण्डारण) 2009 के नियमों एवं शर्तो का पालन किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके साथ ही खनिज से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों की चर्चा की गई। इसमें विशेषकर परिवहन एवं खनिज नियमों का पालन करते हुए खनिजों का परिवहन करने के सख्त निर्देश दिए गए। इस अवसर पर प्रभारी खनिज अधिकारी बजरंग पैकरा, फील्ड ऑफिसर अनुराग नन्द, राजस्व निरीक्षक दीपक पटेल और क्रेशर संचालकगण उपस्थित थे।

रक्षा सूत्रों में बंधा राष्ट्रप्रेम — बेमेतरा की नारियों ने भेजीं 6000 राखियाँ देश के वीर जवानों के नाम

महिला एवं बाल विकास विभाग बेमेतरा की अभिनव पहल

बेमेतरा (समय दर्शन/- रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जहां हर बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने की तैयारी में है, वहीं छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और स्वयं सहायता समूहों की हजारों महिलाओं ने एक अनोखा और प्रेरणादायी कार्य किया है, उन्होंने देश की सीमाओं पर तैनात 6000 से अधिक वीर जवानों के लिए राखियाँ भेजीं, जिनमें बंधा है अपार स्नेह, सम्मान और राष्ट्रभक्ति। यह अभियान महिला एवं बाल विकास विभाग, बेमेतरा के मार्गदर्शन में चलाया गया। राखियाँ हाथों से बनाई गईं, उन्हें प्यारे संदेशों और शुभकामनाओं के पत्रों के साथ सम्मानपूर्वक पैक किया गया। हर एक राखी, एक बहन के दिल की आवाज़ बनकर वीर सैनिकों तक पहुँचेगी, यह संदेश लेकर कि वे केवल वर्दीधारी नहीं, बल्कि हर घर के बेटे और हर बहन के भाई हैं।

देश की सरहदों पर तैनात भाईयों के लिए हमारी राखियाँ और दुआएँ-,बेमेतरा सेक्टर कंतेली की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संगीता वर्मा ने भावुक होकर कहा की हमारी तरफ से उन भाइयों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ जो दूर सरहद पर हमारी रक्षा कर रहे हैं। यह राखी उनके साहस और बलिदान को हमारा नमन है। वे सुरक्षित रहें, यही हमारी दुआ है। वहीं सहायिका संतोषी साहू (वार्ड 15) ने अपने पत्र में लिखा की आप हमारे लिए सिर्फ सैनिक नहीं, परिवार का हिस्सा हैं। यह राखी सिर्फ धागा नहीं, हमारी आत्मीयता और आशीर्वाद का प्रतीक है।

यह केवल राखियाँ नहीं, नारीशक्ति का राष्ट्र के प्रति समर्पण है- इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री चंद्रबेश सिंह सिसोदिया ने कहा की यह पहल केवल रक्षा सूत्र भेजने तक सीमित नहीं है। यह नारीशक्ति की राष्ट्रभक्ति, भावनात्मक एकजुटता और सम्मान का प्रतीक है। बेमेतरा की महिलाओं ने यह दिखाया कि देशभक्ति केवल बंदूक या वर्दी से नहीं, बल्कि स्नेह, त्याग और भावना से भी प्रकट की जा सकती है। इस अभियान को विभागीय अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन का भरपूर सहयोग मिला। पूरे जिले में इस पहल ने एक सकारात्मक ऊर्जा और गर्व का माहौल निर्मित किया है।

बेमेतरा की बहनों का यह संदेश देश के हर कोने में गूंजे- इस रक्षाबंधन पर जब देशभर में भाई-बहन के रिश्ते को बांधने वाली राखियाँ बांधी जाएंगी, तब बेमेतरा की महिलाओं द्वारा भेजी गई राखियाँ सीमाओं पर तैनात सैनिकों की कलाई पर बंधकर उनके मनोबल को और ऊँचा करेंगी। यह प्रमाण है कि जहाँ बहन का प्यार होता है, वहाँ कोई दूरी मायने नहीं रखती। इस प्रयास ने यह साबित कर दिया कि सच्चा राष्ट्रप्रेम केवल शब्दों में नहीं, कर्मों में झलकता है और इस बार वह प्रेम राखी

शिक्षक ने खरीदी कोटवार की सरकारी जमीन! पंचायत ने उठाई अवैध क्रय-विक्रय की परतें, जांच के आदेश जारी

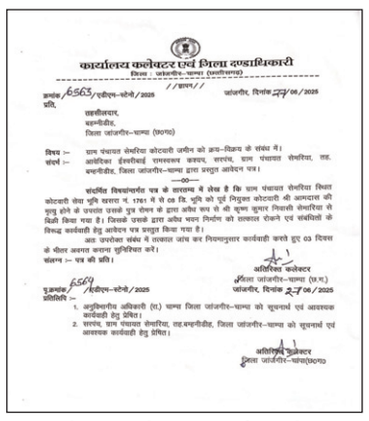

बिर्रा (समय दर्शन)। बम्हनीडीह तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत सेमरिया की कोटवार भूमि को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। एक शासकीय शिक्षक द्वारा ग्राम की कोटवारी सरकारी भूमि को अवैध रूप से खरीदने का गंभीर आरोप पंचायत ने लगाया है। मामले की शिकायत पर कलेक्टर कार्यालय ने तत्काल जांच के निर्देश जारी कर दिए हैं।

ग्राम पंचायत सेमरिया की सरपंच ईश्वरी बाई कश्यप द्वारा प्रस्तुत आवेदन में कहा गया है कि ग्राम खसरा नंबर 1761 की कोटवारी भूमि, जो कि वर्षों से कोटवार उपयोग के लिए आरक्षित रही है, उसे गांव के कृष्ण कुमार कश्यप ने खरीदकर निजी मकान निर्माण शुरू कर दिया है। जबकि यह भूमि राजस्व रिकार्ड में सरकार की संपत्ति मानी जाती है, न कि किसी निजी व्यक्ति की। ज्ञात हो कि कृष्ण कुमार कश्यप पेशे से एक शासकीय शिक्षक है।

कलेक्टर कार्यालय ने लिया संज्ञान, जांच आदेश 3 दिनों में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश- जिला प्रशासन ने इस मामले को गंभीर मानते हुए तहसीलदार बम्हनीडीह को तत्काल मौका निरीक्षण कर तथ्यों की पुष्टि करने को कहा है। आदेश में यह भी उल्लेख है कि कोटवारी भूमि को न तो बेचा जा सकता है और न ही खरीदा जा सकता है, यह सार्वजनिक उपयोग की संपत्ति है।

शिक्षक की भूमिका सवालों के घेरे में- कृष्ण कुमार कश्यप जो पेशे से एक शिक्षक है और शासकीय शिक्षक द्वारा इस तरह की सरकारी संपत्ति को खरीदना न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है, बल्कि शासकीय पद का दुरुपयोग भी माना जा रहा है। इस कृत्य को लेकर क्षेत्र में नाराजगी है, लोग पूछ रहे हैं ङ्क क्या अब शिक्षक भी सरकारी कोटवारी भूमि जैसे जमीनों के सौदागर बन गए हैं?

पंचायत की मांग ङ्क भूमि पर निर्माण कार्य तुरंत रोका जाए- सरपंच कश्यप ने प्रशासन से यह भी मांग की है कि जब तक जांच पूरी न हो जाए, तब तक निर्माण कार्य पर रोक लगाई जाए और यदि जांच में अवैध क्रय-विक्रय प्रमाणित होता है, तो संबंधित शिक्षक पर कड़ी कानूनी व विभागीय कार्रवाई की जाए।

यह सिर्फ जमीन नहीं ङ्क ये पंचायत की प्रतिष्ठा और व्यवस्था का सवाल है- यह मामला केवल एक ज़मीन का नहीं, बल्कि ग्रामीण व्यवस्था, कानून और पंचायत स्वायत्तता से जुड़ा है। यदि एक शिक्षक, जो समाज का मार्गदर्शक माना जाता है, इस तरह नियम तोड़ता है, तो यह पूरे तंत्र पर सवाल खड़े करता है।

जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में मैनेजमेंट, परचेज व मेस कमेटी की बैठक संपन्न

डोंगरगढ़ (समय दर्शन)। जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ के पुस्तकालय कक्ष में बुधवार 23 जुलाई को सुबह 11.30 बजे विद्यालय मैनेजमेंट कमेटी, विद्यालय परचेज कमेटी और जिला स्तरीय मेस कमेटी की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, संयुक्त कलेक्टर सुश्री हितेश्वरी बाघे, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लता सिन्हा, बीईओ श्रीमती वीरेन्द्र कौर गरचा, सीएमएचओ डॉ. नेतराम नवरत्न, खाद्य अधिकारी रविंद्र सोनी, लोक निर्माण विभाग के एसडीओ श्री सोनकले, सांसद प्रतिनिधि प्रकाश यादव, केवी डोंगरगढ़ के प्राचार्य एसआर कुजुर, पालक प्रतिनिधि श्रीमती सरला साहू और त्रिलोक चौरे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विद्यालय की ओर से प्राचार्य संजय कुमार मंडल, वरिष्ठ शिक्षक ओपी चौरसिया, एसके बिसेन, स्नेह अग्रवाल, एसके वर्मा, अनिल कुमार पॉल, जानकी उइके, अर्चना, उमा धुर्वे सहित स्टाफ के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

प्राचार्य श्री मंडल ने अतिथियों को गमला भेंटकर स्वागत करते हुए विद्यालय की शैक्षणिक, खेलकूद और सह-शैक्षणिक उपलब्धियों की जानकारी दी। इसके पश्चात वरिष्ठ शिक्षक ओपी चौरसिया ने विद्यालय की प्रमुख आवश्यकताओं पर बिंदुवार प्रकाश डाला। इनमें ओवरहेड टैंक निर्माण, बधियाटोला से विद्यालय तक सड़क चौड़ीकरण, विद्यालय परिसर में सड़क निर्माण और विभिन्न स्किल विषयों के लिए अतिरिक्त कक्ष निर्माण शामिल थे।

संयुक्त कलेक्टर हितेश्वरी बाघे ने विद्यालय की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी अपने-अपने विभाग की ओर से सहयोग देने की सहमति दी।

पालक प्रतिनिधि त्रिलोक चौरे और श्रीमती सरला साहू ने विद्यालय की पढ़ाई और सुविधाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए शिक्षक और प्रशासन की सराहना की। सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने पर सभी अतिथियों ने प्रसन्नता जाहिर की।

बैठक के अंत में अतिथियों को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इसके पश्चात डिस्ट्रिक्ट लेवल मेस कमेटी की बैठक आयोजित की गई, जिसमें वरिष्ठ शिक्षक अशोक कुमार बिसेन ने मेस में संचालित गतिविधियों, भोजन की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सभी को मेस निरीक्षण के लिए आमंत्रित करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन पीजीटी हिंदी आरके चंद्रा द्वारा किया गया। इस तरह तीनों कमेटियों की बैठक सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने बिलाईगढ़ क्षेत्र के स्कूल, छात्रावास और अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

कलेक्टर ने 3 शिक्षकों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन) कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे और अपर कलेक्टर प्रकाश सर्वे बुधवार को बिलाईगढ़ ब्लॉक के दौरे पर रहे। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ में पंजीयन, दवा वितरण, महिला व पुरुष वार्ड, प्रसव केंद्र, एक्सरे कक्ष, प्रयोगशाला, ओपीडी आदि का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने भर्ती मरीजों से बातचीत कर हॉस्पिटल द्वारा दी जा रही दवा, खाना और इलाज के बारे में जानकारी ली। बीएमओ ने हॉस्पिटल के बिजली वायरिंग खराब होने की जानकारी देने पर कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने जिला खनिज न्यास में प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस दौरान सीएमएचओ डॉ एफ आर निराला सहित बीएमओ सहित अन्य डॉक्टर नर्स आदि उपस्थित थे।

छात्रावास और स्कूल का निरीक्षण- कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने डोकरीडीह के प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान वे प्राथमिक शाला के बच्चों से गिनती, पहाड़ा, अक्षर ज्ञान, वाक्य को पढ़ना आदि के बारे में पूछकर बच्चों की पढ़ाई का जायजा लिया। कलेक्टर ने वहां उपस्थिति पंजी, शिक्षकों का डेली डायरी, मध्याह्न भोजन राशन आदि का अवलोकन किया। इसी प्रकार पूर्व माध्यमिक विद्यालय डोकरीडीह के स्कूली बच्चों से राष्ट्रीय और छत्तीसगढ़ के बारे में सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछे। इन दोनों स्कूलों के पढ़ाई में बच्चों के बेसिक शिक्षा में कमी पाए जाने पर 3 शिक्षकों के विरुद्ध नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके बाद मध्याह्न भोजन रसोइया से खाना बनाने के संबंध में कलेक्टर ने जानकारी लेकर उन्हें निर्देशित किया कि, बच्चों को अच्छा खाना खिलाएं। कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने स्कूल परिसर का निरीक्षण किया, जिसमें जर्जर शौचालय को नष्ट कर नवीन शौचालय बनाने के निर्देश सीईओ जनपद पंचायत बिलाईगढ़ को दिए। साथ ही शौचालय को स्वच्छ रखने के निर्देश दिए। इसी प्रकार बिलाईगढ़ के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका छात्रावास और स्वामी आत्मानंद विद्यालय का कलेक्टर ने निरीक्षण किया।

एसडीएम ऑफिस का निरीक्षण और फॉरेस्ट सर्वे की बैठक- कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने बिलाईगढ़ एसडीएम कार्यालय का अवलोकन कर वहां राजस्व और वन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक किया, जिसमें वन और राजस्व भूमि के संबंध में अधिकारियों ने जानकारी दी। इस अवसर पर एसडीएम वर्षा बंसल, तहसीलदारगण और वन अधिकारी उपस्थित थे।

शिक्षा विभाग ने विभिन्न मुद्दों को लेकर किया समीक्षा बैठक

सारंगढ़ बिलाईगढ़ योगेश कुर्रे (समय दर्शन)- नए जिला शिक्षा अधिकारी जे आर डहरिया ने जैसे ही पदभार संभाला है उसके बाद से जिला की शिक्षा की बुनियादी स्थिति और स्तर को बेहतर बनाने आवश्यक सुधार लाने के लिए लगातार विभागीय स्तर पर बैठक के साथ सुझाव ले रहे आज फिर शिक्षा प्रमुखों के साथ आवश्यक समीक्षा बैठक रखी गई जिसमें विकास खंड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक, सर्व संकुल प्राचार्य, सर्व संकुल समन्वयक, विकासखण्ड सारंगढ़ का समीक्षा बैठक सेजेस सारंगढ़ में रखा गया जिसमें विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई जिसमें मुख्य रूप से श्रद्धह्ल 02-08 -2025 की तैयारी, पुस्तक वितरण और स्कैनिंग की तैयारी, जाति प्रमाण पत्र की जानकारी,2.0 एक पेड़ मां के नाम नोटिफिक्केशन की जानकारी, सारंगढ़ विकासखण्ड में कितने जर्जर भवन है उसकी जानकारी, शालाओं में स्मार्ट मीटर की जानकारी, किचन गार्डन की जानकारी जैसे विभिन्न अहम मुद्दों को लेकर यह समीक्षा बैठक रखी गई थी जिसमें सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के ह्यस्नद्ब प्रखर चंद्राकर भी शामिल रहे और सभी को अपने जिम्मेदारियों को लेकर निष्ठा पूर्वक कार्य करने का निर्देश दिया गया और साथ ही समय पर इन सभी कार्यों को पूर्ण करने का भी निर्देश दिया गया साथ ही लापरवाही करने वालों को भी साफ चेतवानी दी है कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नही किया जाएगा अगर लापरवाही बरती गई तो ऐसे कर्मचारियों पर तत्काल

25 वर्षों की सफलता का जश्न, होंडामोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने पेश की नई शाइन 100डीएक्स और सीबी125 हॉर्नेट

नई दिल्लीः अपनी यात्रा का एक अहम पड़ाव पार करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने आज भारत में अपने 25 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस खास मौके पर कंपनी ने दो नई मोटरसाइकिलें पेश कीं – सीबी125 हॉर्नेट और शाइन 100 डीएक्स. ये भारतीय ग्राहकों के लिए आधुनिक और तकनीकी रूप से उन्नत प्रोडक्ट्स देने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। जनरेशन होंडा के इस नए युग में कदम रखते हुए, नई सीबी 125 हॉर्नेट और होंडा शाइन 100 डीएक्स की बुकिंग्स 1 अगस्त 2025 से शुरू होंगी।

महत्त्वपूर्ण अवसर पर बोलते हुए, श्री सुत्सुमु ओतानि, मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और सीईओ, होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया, ने कहाः आज एचएमएसआई की भारत में यात्रा का एक अहम अध्याय है। हम 25 शानदार वर्षों का जश्न मना रहे हैं और मुझे बहुत गर्व है कि हम एक नहीं, बल्कि दो नई मोटरसाइकिलें–सीबी 125 हॉर्नेटऔर शाइन 100 डीएक्स– पेश कर रहे हैं। ये दोनों प्रोडक्ट्स होंडा की इनोवेशन और ग्राहक-केंद्रित सोच को दर्शाते हैं। इनका लॉन्च भारतीय मार्केट के लिए एडवांस्ड और हाई-टेक मोबिलिटी सॉल्यूशंस देने के हमारे वादे को मजबूत करता है। यह उत्सव होंडा की वर्ल्डवाइड 500 मिलियन प्रोडक्शन माइलस्टोन और एचएमएसआई की 70 मिलियन प्रोडक्शन उपलब्धि के साथ भी जुड़ा हुआ है। हम अपने कस्टमर्स, पार्टनर्स और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिनकी वजह से यह सफर मुमकिन हुआ। आने वाले वर्षों में हम इसी तरह अपनी ग्रोथ को और तेज़ करने के लिए उत्साहित हैं।

ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर बघेरा में श्रेष्ठ मन-श्रेष्ठ भविष्य कार्यक्रम का आयोजन

दुर्ग(समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर के कमला दीदी सभागार में माउंट आबू से पधारे अंतरराष्ट्रीय माईंड ट्रेनर, मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. शक्तिराज के सानिध्य में श्रेष्ठ मन-श्रेष्ठ भविष्य विषय पर व्याख्यान व प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । उल्लेखनीय है आपने विश्व के अनेक देशों में जाकर भारत के आध्यात्मिकता की खुशबू फैलाकर लोगों में नई ऊर्जा का संचार किया है।आपने क्रिकेट टीम प्लेयर्स ,बॉलीवुड के सितारे,टीवी कलाकारों,अनेक राज्यों के मुख्यमंत्रीयों मल्टीनेशनल कंपनियों,इंडियन आर्मी,बीएसएफ एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया व अनेक नामचीन हस्तियों व संस्थानों में माइंड पावर टेक्नीक का प्रशिक्षण दिया है ।

आज के इस आयोजन में अतिथि के रूप में संजय तिवारी कुलपति (हेमचंद यूनिवर्सिटी),त्रिलोक बंसल (एस.पी. एसटीएफ दुर्ग),मनीष पारख (फाउंडर एंड चेयरमैन एविश एविकॉम,लाइफ केयर) एवं बी.के. रीटा दीदी (संचालिका ब्रह्माकुमारीज दुर्ग) उपस्थित थे । सभी अतिथियों का ब्रह्माकुमारी दीदियों द्वारा तिलक व पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया व कुमारी युक्ति,चंद्राणी, मौसमी,लीना व जागृति द्वारा मनभावन स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया फिर सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रवलित किया गया ।

श्रेष्ठ मन व श्रेष्ठ भविष्य के वक्ता के रूप में डॉ. शक्तिराज भाई ने कहा कि जैसे हम बॉल फेंकेंगे वही बॉल हमारे पास वापस आएगी हम व्हाईट बॉल फेकेंगे तो व्हाईट और ब्लैक बॉल फेकेंगे तो ब्लैक वापस आयेगी

जब मुझे पता है कि जो एनर्जी मैं भेजूंगा वही एनर्जी वापस आएगी तो मुझे क्या भेजना है? रिमोट कंट्रोल किसके पास है?बताइए रिमोट कंट्रोल किसके पास है मेरे पास है ना खुशी, प्यार, शांति, सुख के संकल्प भेजना है तो हमारा जीवन सुख-शांति - खुशी से संपन्न होगा। ब्रह्माकुमारी संस्थान ने पहल की है आपके जीवन में खुशियां लानी है आपको खुशनुमा बनाना है आपके जीवन में सुख समृद्धि लाना है संसार को सुख-शांतिमय बनाना है । भूतकाल सपना है,भविष्य काल कल्पना है,केवल वर्तमान ही अपना है ना यहां पर फोकस रखना है । वर्तमान में अपने कर्म को श्रेष्ठ बनाएंगे तो भविष्य हमारा श्रेष्ठ ही बनेगा यह निराकार परमपिता परमात्मा शिव की गारंटी है । आपने भिन्न-भिन्न विधियों द्वारा तनाव को गुड बाय करने और जीवन में खुश रहने की अनुपम विधियां सिखाई जिससे सभा में बैठे सभी लोग प्रफुल्लित और खुशनुमा हो गए ।

आए हुए अतिथि में संजय तिवारी (कुलपति हेमचंद युनिवर्सिटी) ने अपने उद्बोधन में कहा कि आपकी उपस्थिति से हमको लगता है कि आपका असर होगा 2019 में भारत में 39000 युवाओं ने आत्महत्या की थी तो हमको लगा कि मेंटल डिप्रेशन और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जो अद्भुत कार्य ब्रह्मकुमारी कर रहे हैं यह बहुत आवश्यक है । हम शक्तिराज भाई और ब्रह्माकुमारी दीदीयों का आभार व्यक्त करते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य, आध्यात्मिक उन्नयन,और व्यक्तित्व विकास के लिए यह ज्वाला जो प्रज्वलित आज की जा रही है इसके दुरगामी सुखद प्रभाव होंगे और आज हम सब मिलकर इस सत्र को न केवल सुने बल्कि इसको जीवन में अनुभव करें और इसको जीवन में आत्मसात करें जिससे आयोजन की सार्थकता सिद्ध होगी।

आए हुए अतिथियों में विजय बंसल(एसपी एसटीएफ) मनीष पारख (फाउंडर एंड चेयरमैन एविश एविकॉम,लाइफ केयर) ने भी अपनी-अपनी शुभकामनायें दी । मंच संचालन करते हुए ब्रह्माकुमारी रूपाली दीदी ने बताया आप सभी की इतनी संख्या में सहभागिता यह दिखता है कि सुख - शांतिमय नव सृष्टि के सृजन में आप सभी परमात्मा कार्य में सहयोगी है ।

खबर-खास

दिल्ली पब्लिक स्कूल में 9वीं से 12वीं के छात्रों हेतु कैरियर काउंसलिंग सत्र आयोजित

कवर्धा (समय दर्शन)। दिल्ली पब्लिक स्कूल, महाराजपुर कवर्धा में कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक के छात्रों के लिए कैरियर काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. कविता कन्नौजे, सहायक प्राध्यापक मनोविज्ञान विभाग, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को करियर चयन के लिए आत्ममूल्यांकन, रुचि पहचान, समय प्रबंधन एवं मानसिक संतुलन के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने प्रश्न रखे जिनका समाधान डॉ. कन्नौजे ने प्रभावी ढंग से किया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विषय चयन में लचीलापन एवं बहुविषयक अध्ययन प्रणाली की जानकारी भी दी, जिससे विद्यार्थी अपनी रुचियों के अनुसार बेहतर विकल्प चुन सकें। विद्यालय की प्रधानाचार्या ग्रेसिया एन. फीग्रेड ने डॉ. कन्नौजे का आभार व्यक्त करते हुए इस सत्र को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी बताया।

गुरुकुल के विद्यार्थियों ने रचा स्वर्णिम इतिहास

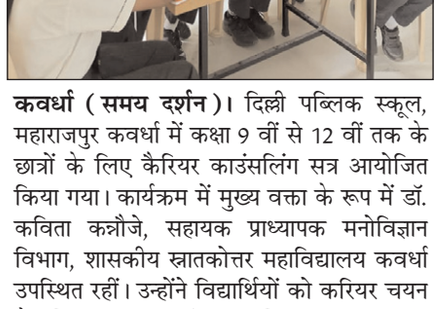

कवर्धा (समय दर्शन)। राष्ट्रीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ शिक्षा विभाग द्वारा महाराष्ट्र में आयोजित प्रतियोगिता में जिले के 12 विद्यार्थियों ने विजयी होकर स्वर्णिम इतिहास रचा, जिसमें गुरुकुल पब्लिक स्कूल के 10वीं के छात्र सुन्नम चरण तथा कक्षा 11वीं के छात्र हरी कुरसम ने विजयी होकर शाला परिवार को गौरवान्वित किया। विजयी छात्रों को जिला शिक्षा अधिकारी के कर कमलों से मेडल व नगद राशि 15000/- एवं 10000/- रुपए का चेक देकर सम्मानित किया गया। इस महती उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शाला के प्रभारी प्राचार्य ने कहा हमारे शाला में प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को तलाश कर तराशने का क्रीड़ाध्यापकों के द्वारा अनवरत भागीरथ प्रयास किया जाता है. यह उसी का प्रतिफल है। इस शानदान उपलब्धि पर संस्था के अध्यक्ष व समस्त पदाधिकारियों ने विजयी प्रतिभागियों को बधाइयां दी हैं।

कलेक्टर श्री उइके ने गंभीर कुपोषित बच्चों की देखभाल हेतु सहमति दी

कामेश एवं यश की अब मिलेगा नियमित रूप से पौष्टिक आहार एवं स्वास्थ्य जांच की सुविधा

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की स्थिति के स्वास्थ्य में सुधार लाने के उद्देश्य से जनप्रतिनिधियों, अधिकारी कर्मचारियों, शिक्षकों, गणमान्य नागरिकों, समाजसेवी संस्थाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, व्यापारी संगठनों, मीडिया प्रतिनिधियों के द्वारा गभीर कुपोषित बच्चों को उत्साह पूर्वक गोद ले रहे है, ताकि जिले के कोई भी बच्चे कुपोषित न रहे ।इसके तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चिन्हांकित बच्चों की उचित देखभाल एवं 6 माह तक निर्धारित पौष्टिक सामग्री उपलब्ध कराने हेतु सहमति प्रदान कर रहे है ।इसी तारतम्य में कलेक्टर भगवान सिंह उइके ने जिला मुख्यालय गरियाबंद के आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 3 रावनभाठा के तीन वर्षीय गंभीर कुपोषित बालक कामेश ध्रुव के उचित देखभाल एवं 6 माह तक निर्धारित पौष्टिक सामग्री उपलब्ध कराने के लिए सहमति प्रदान की है। जिससे कि गंभीर कुपोषित कामेश को मध्यम सुपोषित श्रेणी में लाया जा सके जिससे उसका शारीरिक और मानसिक विकास अवरूद्ध न हो और वे आगामी समय में पूरी क्षमता के साथ जीवन यापन करने में सक्षम बन सके। इसी प्रकार अपर कलेक्टर नवीन कुमार भगत ने आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 2 मजरकट्टा के तीन वर्षीय गंभीर कुपोषित बालक यश कुमार ध्रुव को गोद लिया और के उचित देखभाल एवं 6 माह तक निर्धारित पौष्टिक सामग्री उपलब्ध कराने के लिए सहमति प्रदान की है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चिन्हांकित बच्चों को नियमित रूप से पौष्टिक आहार, स्वास्थ्य जांच और निगरानी प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले 920 गंभीर कुपोषित बच्चे है, जिसमें से 680 बच्चों को गोद लिया गया है ।उन्होंने बताया कि जिले के नागरिकों में जिले को कुपोषण से मुक्त करने के लिए काफी उत्साह देखा जा रहा है ।इस दौरान सीडीपीओ चन्द्रहास साहू, सेक्टर सुपरवाईजर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं गंभीर कुपोषित बच्चों के पालकगण उपस्थित थे ।जिले में कुपोषण की दर को कम करने के लिए जिला मुख्यालय गरियाबंद के वन विभाग ऑक्सन हॉल में शुक्रवार 25 जुलाई को मेगा हेल्थ शिविर का आयोजन किया जायेगा ।जिसमें राजधानी रायपुर के बाल गोपाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल के प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक भट्टर एवं उनके टीम द्वारा जिले के कुपोषित बच्चों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जाएगा।

आनलाईन ठगी के दो आरोपीगण को उत्तराखण्ड से किया गया गिरफ्तार

आरोपीगण द्वारा क्क्य स्र्द्वद्यद्र भेज कर मोबाइल को हैक कर की जाती थी, ठगी

गरियाबंद (समय दर्शन)। आवेदिका द्वारा सायबर टोल फ्री नम्बर 1930 के माध्यम से ऑनलाईन शिकायत दर्ज कराया गया था ।इस शिकायत जाँच के दौरान आवेदिका से हुए ऑनलाईन फ्राड के संबंध में पुछताछ किया गया जो घटना के संबंध में बतायी कि किसी अज्ञात आरोपी के द्वारा आवेदिका के मोबाइल नम्बर में क्क्य स्र्द्वद्यद्र भेजा गया था ।जिसे आवेदिका के द्वारा क्लिक करते ही आवेदिका का मोबाईल साइबर ठगों द्वारा हैक कर उसके फोन-पे से कुल 1,42,239/- रूपये की ठगी की गई मोबाईल हैक होने के दौरान आवेदिका साइबर सेल आये उनके मोबाईल से क्क्य स्र्द्वद्यद्र को डिलिट कर उसके फोन को सुरक्षित किया गया ।शिकायत जाँच के दौरान आवेदिका के फोन-पे से जिन पैसों का आहरण हुआ था ।उससे कुछ ऑनलाईन शॉपिंग एप्प के माध्यम से गिफ्ट वाऊचर तथा इलेक्ट्रोनिक्स सामान खरिदना ज्ञात हुआ ।जिसके बाद से उस अज्ञात क्रेताओं पर निगरानी रखते हुए अज्ञात आरोपी के विरूद्ध प्रथम दृष्टया अपराध धारा 318(4) ब्न्हस 66 (डी) आईटी एक्ट का घटित होना पाये जाने पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा सायबर सेल की मदद से आरोपी की पतासाजी हेतु टीम गठित किया गया था ।जिस पर टीम आरोपी की पतासाजी हेतु उत्तराखण्ड रवाना किया गया ।आरोपी पतासाजी के दौरान दो आरोपीगण अमन कुमार मीणा पिता रामकिशोर सिंह उम्र 20 वर्ष और अमित कुमार मीणा रामकिशोर सिंह उम्र 18 वर्ष ग्राम अंगदपुर पोस्ट धरमपुर थाना जशपुर जिला उधमिंसंह नगर (उत्तराखण्ड) को अभिरक्षा में लेकर घटना के संबंध में पुछताछ किया गया ।जो घटना कारित के संबंध में बताया की ऑनलाईन ठगी किये गये रकम से दो लेपटोप एवं तीन मोबाईल फोन खरीदना बताये, जिसे जप्त किया गया है ।आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। इस कार्यवाही में थाना राजिम, पाण्डुका व साइबर सेल का विशेष भूमिका रही। वही गरियाबंद पुलिस का आमजन से अपील किए कि साइबर अपराधियों के द्वारा क्क्य स्र्द्वद्यद्र भेज कर अनाधिकृत रूप से उनके मोबाइल के माध्यम से आपके के पुरे डेटा जैसे व्हाटसअप, फेसबुक, इंस्टाग्राम एवं बैंक खाते का जानकारी लेकर ऑलनाईन ठगी करता है। इस प्रकार के ठगी से बचने के लिए स्वयं जागरूक हो कर दुसरों को जागरूक करें।

शासकीय योजनाओं से सलमा के घर में लौटी खुशियां

सुकमा। जिले के छिंदगढ़ विकासखण्ड में निवास करने वाली सलमा रैनी की कहानी आज पूरे गांव के लिए प्रेरणा बन गई है। सलमा एक अत्यंत गरीब मजदूर वर्ग की तलाकशुदा महिला हैं, जो वर्षों से अपने परिवार के साथ एक जर्जर खपरैल वाले कच्चे मकान में जीवनयापन कर रही थीं। हवा, पानी, गर्मी और बरसात जैसे मौसम में उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। परंतु इन कठिनाइयों को पीछे छोड़ते हुए आज वे पीएम आवास योजनांतर्गत नवनिर्मित पक्के मकान में आत्मसम्मान के साथ जीवनयापन कर रही हैं। जिला पंचायत सीईओ मती नम्रता जैन ने बताया कि सलमा रैनी का नाम आर्थिक-सामाजिक जनगणना 2011 के आधार पर प्रधानमंत्री आवास योजना की स्थायी प्रतीक्षा सूची में शामिल किया गया था। वित्तीय वर्ष 2024-25 में जनपद पंचायत छिंदगढ़ द्वारा उन्हें आवास निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई।

यातायात पुलिस की सख्ती, हूटर-लाइट और बिना लाइसेंस वाहन चलाने पर कार्रवाई

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गरियाबंद यातायात पुलिस लगातार मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई कर रही है इसी क्रम में बुधवार को गरियाबंद शहर में एक सफेद रंग की बोलेरो वाहन (क्रमांक सीजी 04 डी क्यूं 0992) को रोका गया, जो अवैध रूप से हूटर और तेज लाइट का उपयोग कर रहा था ।जांच में पता चला कि वाहन चालक न तो ड्राइविंग लाइसेंस रखता था और न ही वाहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत कर सका ।वाहन पर सफेद रंग, हूटर और फ्लैश लाइट का इस्तेमाल भी नियमों का उल्लंघन पाया गया। इस पर यातायात पुलिस ने मौके पर ?6100 का चालान जारी किया और अवैध रूप से लगाए गए हूटर एवं लाइटिंग जब्त कर ली गई।

जिसमें गंभीर बात यह रही कि वाहन चालक पूर्व में थाना फिंगेश्वर क्षेत्र निवासी पाया गया, और वाहन पर जिले के नाम पर भ्रम फैलाने वाली सजावट की गई थी। जिसके तहत धारा वाहन चालक के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की 119(3), 108, 3/181, 194(सी), 130(3)/177, 119/177 के तहत कार्रवाई की गई। साथ ही पुलिस विभाग ने अपील करते हुए कहा कि यातायात पुलिस ने आम जनता से अपने वाहनों में बिना अनुमति किसी भी प्रकार की लाइटिंग, सायरन या हूटर का प्रयोग न करें, न ही वाहन को किसी भी रूप में परिवर्तित कर सड़क पर चलाएं। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

टाटा मोटर्स ने लॉन्च किया ऐस प्रो: भारत का सबसे किफायती 4-व्हील मिनी-ट्रक, कीमत रु. 3.99 लाख रुपये से शुरू

नईदिल्ली। टाटा मोटर्स, भारत के सबसे बड़े कमर्शियल वाहन निर्माता, ने ऑल-न्यू टाटा ऐस प्रो लॉन्च करके छोटे कार्गो परिवहन में एक नये युग की शुरुआत की है। टाटा ऐस प्रो केवल रु. 3.99 लाख रुपये की शुरुआती कीमत में लॉन्च किया गया है और भारत का सबसे सस्ता फोर-व्हील मिनी ट्रक है। यह शानदार दक्षता, लचीलापन और बेहतरीन मूल्य देता है। नए उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया, टाटा ऐस प्रो पेट्रोल, बाय-फ्यूल (सीएनजी + पेट्रोल) और इलेक्ट्रिक वैरिएंट में उपलब्ध है। ग्राहक उनकी व्यावसायिक जरूरतों के मुताबिक अपनी पसंद का वैरिएंट चुन सकते हैं। ग्राहक टाटा मोटर्स के देशभर में फैले 1250 कॉमर्शियल व्हीकल्स सेल्स टचप्वाइंट्स या टाटा मोटर्स के ऑनलाइन सेल्स प्लेटफॉर्म, फ्लीट वर्स, पर अपने पसंदीदा ऐस प्रो वैरिएंट को बुक कर सकते हैं। टाटा ऐस प्रो को खरीदना बेहद आसान है, कंपनी ने प्रमुख बैंकों और एनबीएफसी के साथ साझेदारी की है, जिससे ग्राहकों को लोन के लिए फौरन मंजूरी मिलेगी, उन्हें पास ईएमआई के लचीले विकल्प होंगे और उनकी जरूरतों के अनुसार फंडिंग सपोर्ट मिलेगा। ऐस प्रो को लॉन्च करते हुए, टाटा मोटर्स के एक्जीक्यूटिव ऑफीसर, श्री गिरीश वाघ ने कहा, टाटा ऐस ने भारत में कार्गो परिवहन को बदल दिया था। पिछले 20 सालों में, इसने 25 लाख से ज्यादा उद्यमियों को सशक्त किया है और यह प्रगति एवं संभावना का प्रतीक बन चुका है। नया टाटा ऐस प्रो इस विरासत को नई पीढ़ी के लिए और बेहतर बनाता है। यह स्थिरता, सुरक्षा और लाभ देने के लिए बनाया गया है, इससे महत्वाकांक्षी उद्यमियों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए ज्यादा कमाई की संभावनाएं बढ़ती हैं। टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड (एससीवीपीयू), श्री पिनाकी हल्दर ने टाटा ऐस प्रो के बारे में कहा, टाटा ऐस प्रो को ग्राहकों की जरूरतों को समझकर बनाया गया है और इसे कई तरह के कामों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसे लाखों किलोमीटर तक अलग-अलग इलाकों और मौसम में कठिन परीक्षणों में आजमाया गया है। यह पेट्रोल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक जैसे कई ईंधन विकल्पों, सस्ती कीमत और बेहतर ड्राइविंग अनुभव के साथ आता है, जो इसे हर तरह के काम के लिए मूल्यवान बनाता है।

न्यायालय तहसीलदार कवर्धा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

!! ईश्तहार!!

ई कोर्ट नं 202507082400015 ब/121/ वर्ष 2024-25

ग्राम- जेवडनखुर्द प.ह.नं.-05

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम जेवडनखुर्द प.ह.नं.-05, रा.नि.मं. नेवारी तहसील कवर्धा को सूचित किया जाता है कि आवेदक रिखीराम यादव आ0 जगेसर यादव निवासी ग्राम जेवडनखुर्द तहसील कवर्धा जिला कबीरधाम (छ.ग.) द्वारा ग्राम जेवडनखुर्द में अपने पुत्र विस्सु यादव का जन्म दिनांक 15.04.2007 का जन्म पंजीयन करने हेतु रजिस्ट्रार/ग्राम पंचायत जेवहनखुर्द, जिला-कबीरधाम (छ.ग.) को जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 एवं छ.ग. जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत निर्देश देने हेतु शपथ पत्र एवं विलम्बित जन्म-मृत्यु का पंजीयन किए जाने प्रस्तुत शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, पंचनामा, आधार कार्ड की फोटो प्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है जिसकी सुनवाई दिनांक 30.07.2025 को नियत किया गया है।

अत: आवेदक अपने पुत्र विस्सु यादव आ0 रिखीराम यादव के जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो त्तो ये स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 16.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन पद मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक-16.07.2025
पेंशी दिनांक-30.07 2025

मुहर

तहसीलदार
कवर्धा
जिला कबीरधाम

ऑनलाइन अपराधों से बचाव के लिए स्कूलों में साइबर अपराध प्रशिक्षण सत्र का किया गया आयोजन

गरियाबंद। महिला एवं बाल विकास विभाग एवं पुलिस विभाग के संयुक्त प्रयास से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सड़क परसुली एवं शासकीय हाई स्कूल मालगांव में साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया ।कलेक्टर भगवान सिंह उईके एवं पुलिस अधीक्षक निखिल कुमार राखेचा के निर्देश पर जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण संपन्न हुआ। कार्यक्रम संचालन महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) की जिला मिशन समन्वयक मनीषा वर्मा के नेतृत्व में किया गया। प्रशिक्षण सत्र में बताया गया कि आज के डिजिटल युग में इंटरनेट का उपयोग हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है। जिसके साथ ही साइबर क्राइम यानी इंटरनेट के माध्यम से किये जाने वाले अपराधों में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। साइबर क्राइम के अंतर्गत जैसे ऑनलाइन धोखाधड़ी, डेटा बोरी, बैंकिंग जाल, मैलवेयर रैनसमवेयर, सॉफ्टवेयर चोरी, डी-डॉस, हमलों एवं साइबर जासूसी जैसे खतरे को ध्यान में रखकर छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। इसके इसके अलावा महिला एवं बाल विकास विभाग की अन्य योजनाओं जैसे महिला हेल्प लाइन नं. 181, चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, बाल विवाह, कार्य स्थल पर महिलाओं को लैंगिक उत्पीडन से सुरक्षा अधिनियम 2013, घरेलू हिंसा 2005, सखी वन स्टॉप सेन्टर, गुड टच-बेड टच, साइबर से संबंधित हेल्प लाइन नं. 1930 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

नाम परिवर्तन

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सुनकरी रूपा नागेश पिता श्री रंगाराव जगनाथलू रोक्कम, निवासी-प्लाट नं.02, आनंद पुरम, फेस नं. 01, माइलस्टोन विद्यालय के पास, अय्यप्पा नगर वार्ड 07, कोहका भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग) 490023 यह शपथ करती हूं कि मैंने अपना यह पुराना नाम सुनकरी रूपा नागेश पिता श्री रंगाराव जगनाथलू रोक्कम को त्यागकर नया नाम सुनकरी रूपा नागेश पति सुनकरी नागेश रख ली हूं। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम सुनकरी रूपा नागेश पति सुनकरी नागेश के नाम से ही जाना व पहचाना जावे ।

सुनकरी रूपा नागेश पति सुनकरी नागेश पता प्लाट नं.02, आनंद पुरम, फेस नं.01, माइलस्टोन विद्यालय के पास अय्यप्पा नगर वार्ड 07, कोहका भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग)

नाम परिवर्तन

मैं कीर्ति पति श्री मोतिराम निषाद, उम्र 42 वर्ष, निवासी वार्ड नं 10. भिलाई नं 03. डबरापारा, भिलाई चरोदा, तहसील व जिला दुर्ग (छ0ग0), मेरी पुत्री रूपाली निषाद (Rupali Nishad) पिता श्री मोतिराम निषाद (Moti Ram Nishad) माता कीर्ति (Kirti) की जन्म तिथि 03/12/2010 है जो कि सूत्य एवं सही है।

मेरी पुत्री के आधार कार्ड में मेरी पुत्री का नाम रूपाली (Rupali), दर्ज है जो कि गलत है। मेरी पुत्री के नाम से कुछ अन्य दस्तावेज जारी हुआ है जिसमें मेरी पुत्री का नाम रेणु उर्फ प्रीति दर्ज है जो कि गलत है। मेरी पुत्री का सही एवं वास्तविक नाम रूपाली निषाद (Rupali Nishad) है जो कि सत्य एवं सही है। मेरी पुत्री के आगे सभी शासकीय/अर्ध्दशासकीय/वित्तीय संस्थान के दस्तावेज पर उसका सही एवं वास्तविक नाम रूपाली निषाद (Rupali Nishad) दर्ज किया जावें। शासकीय गजट प्रकाशन पर मेरी पुत्री का सही एवं वास्तविक नाम रूपाली निषाद (Rupali Nishad) दर्ज करवाना चाहती हूं ।जिसके समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत हैं।

शपथकर्ता

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कवर्धा, जिला-कबीरधाम

!! ईश्तहार!!

अ/2, वर्ष 2024-25
ई कोर्ट नम्बर.
क्रमांक /1927/अ.वि.अ./ प्रवा - 2/2025
कवर्धा, दिनांक 21/7/2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं नगरवासीगण कवर्धा को सूचित किया जाता है. कि आवेदक संतोष कुमार साहू पिता सावत साहू, निवास का पता:- कवर्धा, जिला-कबीरधाम, छत्तीसगढ़ ने अपने निजी स्वामित्व की ग्राम कवर्धा प0ह0नं0- 13 रा. नि.म. कवर्धा, तहसील - कवर्धा स्थित भूमि खसरा नम्बर 412/45 रकबा 0.0280 हेक्टेयर भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जानें हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है।

उक्त आवेदित भूमि का आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जानें से जिस किसी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो तो सुनवाई तिथि 31-07-2025 को समय 05:30 बजे तक स्वत: या अपनें अभिभाषक के माध्यम से कर सकते हैं। पश्चात के दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17-07-2025 को मेरे हस्ताक्षर व पद मुद्रा से जारी।

जारी दिनांक 17-07-2025
पेशी दिनांक 31-07-2025

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी(,राजस्व)
कवर्धा जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग, दुर्ग

FaxNo.0788-2210482,Email ID-ee.durg@nic.in

// मैनुअल पद्धति निविदा सूचना //

ज्ञाप कमांक -2618 /व.ले.लि./लेखा खण्ड/2025-26 दुर्ग, दिनांक 21/07/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, लो.नि.वि. रायपुर द्वारा जारी भवन/सड़क, कार्य SOR दिनांक 01.01.2015 तथा निविदा तिथि तक जारी संशोधन के अंतर्गत मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	:-	31/07/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि	:-	05/08/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि	:-	12/08/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	:-	13/08/2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्रं. निविदा क्रं.	कार्य का नाम NoOf Call	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
8 T0049	उपसंभाग क्रं. -03 दुर्ग में स्टोर रूम एवं मोटर सायकल पार्किंग शेड का निर्माण कार्य। (1st Call)	7.61

☐ General Condition ☐ Plant Condition ☐ Special Condition

नोट :-
1. "It is mandatory for the "B", "C" & "D" Class bidders, to submit (Annexure 3, Annexure-"2".
2. It is Mandatory for the "A" Class bidder, to Submit affidavit (Annexure 3, Appendix 1, Annexure 1,2.
3. अन्य निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। एवं अन्य निविदा संबंधी शर्तों का अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

G-252602332/1

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26

छत्तीसगढ़ शासन सत्यमेव जयते

25 रजत जयंतीवर्ष छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए Q.R. CODE स्कैन करें।

हरियाली अउ खुशहाली के तिहार

मिला बकाया धान बोनस

12 लाख किसानों के खाते में पहुंचे **3716 करोड़ रुपए**

किसान क्रेडिट कार्ड

सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों को खाद-बीज की खरीद के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर लोन

धान का तत्काल भुगतान

किसानों को **34 हजार 500 करोड़** रुपये के समर्थन मूल्य की राशि का तत्काल भुगतान

कृषक उन्नति योजना

25 लाख 54 हजार किसानों को अंतर की राशि **12 हजार करोड़ रुपए** का एकमुश्त अंतरण

कृषि लागत सहयोग

बीते डेढ़ वर्ष में लगभग **1 लाख करोड़** रुपए की राशि विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत किसानों के खाते में अंतरित

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि

विगत डेढ़ वर्षों में प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजनांतर्गत लाभार्थियों में शामिल हुए
4.60 लाख से अधिक किसान

जम्मो छत्तीसगढ़िया मन ल

हरेली तिहार

के गाड़ा- गाड़ा बधई

24 जुलाई, 2025

सुशासन से समृद्धि की ओर...